राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 202 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,12 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

कृषि कानून के विरोध में चौटाला का इस्तीफा

सिरसा, (एजेंसी)। केंद्र के तीन कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन के बीच इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) नेता और हरियाणा में ऐलनाबाद से विधायक अभय सिंह चौटाला ने सोमवार को अपना इस्तीफा स्पीकर को ई-मेल के माध्यम से भेज दिया। हालांकि श्री चौटाला ने घोषणा की हुई थी कि यदि 26 जनवरी तक कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया गया तो वह इस्तीफा दे देंगे लेकिन वह अपनी पार्टी के किसान जनजागरण अभियान के तहत अपने गांवों में पहुंचे और ग्रामीणों के सामने ही इस्तीफे पर हस्ताक्षर कर विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा मेल कर दिया।

अनुष्का-विराट के घर आई नन्ही परी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और बॉलीवुड की टॉप एक्टर अनुष्का शर्मा पेरेंट्स बन गए हैं। कोहली और अनुष्का के घर एक बेटी का जन्म हुआ है। विराट ने ये खुशखबरी सोशल मीडिया पर खुद दी है। विराट ने अपने पोस्ट में बताया कि अनुष्का और बेटी दोनों बिलकुल ठीक हैं। कोहली ने लिखा कि हम दोनों को ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि सोमवार को दोपहर हमारे यहां बेटी हुई है। हम आपके प्यार और मंगलकामनाओं के लिए दिल से आभारी हैं। हमारा ये सौभाग्य है कि हमें जिंदगी का ये चैप्टर अनुभव करने को मिला।

सीमा में पकड़े गए चीनी सैनिक को लौटाया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में आठ जनवरी को एलएसी पार करके भारतीय सीमा में घुसे चीनी सैनिक को सोमवार को भारतीय सेना ने चुशूल में चीन सेना को वापस लौटा दिया है। भारतीय सेना ने इसकी जानकरी दी है। बता दें कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पार करके पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के दक्षिणी तट पर भारतीय भू-भाग में प्रवेश कर जाने के बाद एक चीनी सैनिक को भारतीय थल सेना ने शुक्रवार को पकड़ लिया था। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का यह सैनिक एलएसी पार कर भारत के लद्दाख में पहुंच गया था।

हैकरों ने हिंदी दिवस कार्यक्रम किया हैक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व हिंदी दिवस पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में रविवार को ऑनलाइन माध्यम से विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस बीच कुछ अराजक तत्वों ने कार्यक्रम को बीच में ही हैक कर उसमें व्यवधान डाल दिया। सूत्रों के मुताबिक हैकरों ने कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों और गणमान्य लोगों पर भी अश्लील टिप्पणियां व गालियां भी दीं। साथ ही जय श्रीराम के नारे लगाकर यह दिखाने की कोशिश की गई कि हैकरों का संघ से जुड़ाव है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सुनील देवधर मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े हुए थे।

जम्मू-कश्मीर में आया 5.1 तीव्रता का भूकम्प

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शाम सात बजकर बत्तीस मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। जम्मू संभाग के उधमपुर, डोडा, किस्तवाड़, पुंछ के साथ ही कश्मीर घाटी में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लोग घरों से बाहर निकल आए। डीडीसी डोडा ने सभी तहसीलदारों और एसएचओ को दिशा-निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्रों में हुए किसी भी तरह के नुकसान की सूचना दी जाए।

किसान आंदोलन पर कोर्ट का अहम फैसला आज

कृषि कानून पर सुप्रीम कोर्ट की सरकार को फटकार

अमल पर रोक का संकेत, किसानों से पूछा-क्या रास्ते से हटेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

तीन नए कृषि कानूनों व किसान आंदोलन के मुद्दे पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। किसान आंदोलन का सोमवार को 47 वां दिन था। कोर्ट ने जहां केंद्र सरकार को फटकारा वहीं किसानों से भी पूछा कि क्या वे रास्ता छोड़ने का तैयार हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से साफ शब्दों में कहा कि हमें पता नहीं है कि सरकार इन कानूनों को लेकर कैसे डील कर रही है। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने सरकार से कहा कि अगर आप में समझ है तो इन कानूनों पर अमल ना करें। हम इनके अमल पर रोक लगाने जा रहे हैं, क्या किसान रास्ता छोड़ेंगे।

किसान आंदोलन से जुड़ी सभी याचिकाओं पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश बोबडे की अध्यक्षता व न्यायमूर्ति एस. एस. बोपन्ना व न्यायमूर्ति वी. सुब्रमण्यम की पीठ ने सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल से स्पष्ट कहा कि तो आप इन कानूनों पर रोक लगाइए या फिर हम लगा देंगे।

लोग मर रहे हैं और हम रोक नहीं लगा रहे- याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सिर्फ विवादित हिस्सों पर ही रोक लगाई जाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि नहीं, हम पूरे कानून पर रोक लगाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि लोग मर रहे हैं और हम कानूनों पर रोक नहीं लगा रहे हैं।

कोर्ट ने कहा-काफी नाजुक स्थिति- शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नए कृषि कानूनों को लेकर जिस तरह से सरकार और किसानों के बीच बातचीत चल रही है, उससे हम बेहद निराश हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि आपके राज्य कानूनों के खिलाफ विद्रोह कर रहे हैं। हम फिलहाल इन कानूनों को निरस्त करने की बात नहीं कर रहे हैं, यह काफी नाजुक स्थिति है। हम नहीं जानते कि आप समाधान का हिस्सा हैं या समस्या का हिस्सा हैं।

वेणुगोपाल व कोर्ट के सवाल-जवाब

कोर्ट: हम कानून पर रोक नहीं लगा रहे हैं, लेकिन उनके अमल होने पर रोक लगा रहे हैं।

अटॉर्नी जनरल: कोर्ट किन हिस्सों के अमल होने पर रोक लगाएगी?

कोर्ट: हम कानूनों को असंवैधानिक करार नहीं दे रहे। आप मसला सुलझाने में नाकाम रहे। आंदोलन अब आपको खत्म कराना है।

अटॉर्नी जनरल: कई संगठनों ने कृषि कानूनों को फायदेमंद बताया है। हम सॉल्यूशन चाहते हैं। अगर कल को एक बड़ा तबका कहे कि जिन कानूनों से हमें फायदा हो रहा है, कुछ गुटों के प्रदर्शन की वजह से आपने उन पर रोक क्यों लगा दी तो हम क्या करेंगे? कानूनों पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

कोर्ट: एक भी ऐसी याचिका नहीं है, जो यह बताए कि ये कानून किसानों के हित में हैं। मिस्टर अटॉर्नी जनरल, आपको लंबा वक्त दे चुके हैं।

किसानों के वकील दुष्यंत दवे ने कहा- आंदोलन के लिए रामलीला मैदान में जाने की मांगी अनुमति

कोर्ट: कोर्ट ने कहा कि अगर आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

कोर्ट ने सरकार को यूं फटकारा

- हम कमेटी बनाने जा रहे हैं, अगर किसी को दिक्कत है तो वो बोल सकता है।
- आपने इसे उचित ढंग से नहीं संभाला है, हमें इस पर एक्शन लेना ही होगा।
- ऐसी आशंका है कि एक दिन आंदोलन में हिंसा हो सकती है।
- केंद्र सरकार को इस सब की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।
- सरकार कानून ला रही है और इसे बेहतर तरीके से कर सकती थी।
- अगर कुछ गलत हो गया तो इसके जिम्मेदार हम सब होंगे। हम नहीं चाहते कि हमारे हाथ किसी के खून से रंगे हो।

किसानों से कोर्ट ने यह कहा

- हम एक कमेटी बनाने और कानून के अमल पर रोक लगाने पर विचार कर रहे हैं।
- आंदोलन जारी रखिए लेकिन अगर कुछ हो गया तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?
- क्या किसान नागरिकों के लिए रास्ता छोड़ेंगे। हम बीच का रास्ता निकालना चाहते हैं।
- हम देश का सुप्रीम कोर्ट हैं और हम संवैधानिक जवाबदारी पूरी करेंगे।
- हमें नहीं पता कि आंदोलन में लोग शारीरिक दूरी के नियम का पालन कर रहे हैं कि नहीं, हमें किसानों के भोजन पानी की चिंता है।
- हम कानून की वैधता पर आदेश सभी पक्षो को सुनकर देंगे।
- समिति के समक्ष वार्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए कृषि कानूनों के अमल पर रोक लगाई जा सकती है।

पीएम मोदी बोले- निर्णायक दौर में पहुंची कोरोना के खिलाफ लड़ाई

नई दिल्ली, एजेंसियां। आगामी 16 जनवरी से कोरोना के खिलाफ देश में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इसकी रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर रहे हैं। बैठक में टीकाकरण अभियान का ब्योरा रखा गया।साथ ही अभियान को सफल बनाने और इसकी चुनौतियों पर चर्चा हुई। देश के अधिकांश राज्यों ने टीकाकरण अभियान को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है। यह चरण है कोरोना के खिलाफ टीकाकरण का है। हम 16 जनवरी से दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू कर रहे हैं। हम कोरोना संकट की शुरुआत से ही वैज्ञानिक समुदाय की सलाह के आधार पर काम करते रहे हैं। टीकाकरण के मामले में भी हम इसी दिशा में चले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि टीकाकरण की शुरुआती व्यवस्था इन हाउस है। इसमें वे लोग है जो करोना के खिलाफ लड़ाई में शामिल हैं। हमारी कोशिश सबसे पहले उन लोगों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाने की है जो देशवासियों की स्वास्थ्य सेवाओं में लगे हुए हैं। इसके साथ-साथ जो दूसरे फ्रंट लाइन वर्कर्स हैं उन्हें भी पहले चरणों में टीका लगाया जाएगा। इनमें डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी और कोरोना महामारी के खिलाफ अग्रिम मोर्चा पर लड़ने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के फ्रंटलाइन वर्कर्स और हेल्थ वर्कर्स की संख्या देखें तो यह करीब तीन करोड़ होती है। यह तय किया गया है कि पहले चरण में इन तीन करोड़ लोगों को वैक्सीन लगेगी। इसमें जो खर्च होगा उसे राज्य सरकारों को नहीं देना होगा। उसका खर्च केंद्र सरकार ही वहन करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में 50 वर्ष से ज्यादा आयु के सभी लोगों को और 50 वर्ष से कम आयु के उन बीमार लोगों को जिन्हें संक्रमण का सबसे ज्यादा खतरा है, उन्हें टीका लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि को-विन प्लैटफॉर्म के जरिए टीकाकरण प्रक्रिया की निगरानी होगी। पहली डोज के बाद लोगों को डिजिटल सर्टिफिकेट दिया जाएगा। कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज जब लग जाएगी तब फाइनल सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि हर राज्य हर केंद्र शासित प्रदेश को यह सुनिश्चित करना होगा कि वैक्सीन से जुड़ी अफवाहों को कोई हवा नहीं मिले। देश और दुनिया के अनेक शरारती तत्व हमारे इस अभियान में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं।

भारतीय दवा महानियंत्रक यानी डीसीजीआइ ने देश में दो वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की अनुमति दे दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ यह पहली बैठक हो रही है।

भारतीय महिला पायलटों ने रचा इतिहास, सबसे लंबी डायरेक्ट एयर इंडिया की उड़ान पहुंची बेंगलुरु

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महिला पायलटों द्वारा चलाई गई एयर इंडिया की सबसे लंबी डायरेक्ट फ्लाइट ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर लैंड कर इतिहास रच दिया है। सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने वाली ये फ्लाइट नॉर्थ पोल के ऊपर से गुजरते हुए 16 हजार किलोमीटर का सफर तय कर 11 जनवरी की सुबह बेंगलुरु के केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची। ये फ्लाइट करीब 17 घंटे लंबी थी। इस फ्लाइट का संचालन कैप्टन जोया अग्रवाल के नेतृत्व में कैप्टन पापागिरी थनमई, कैप्टन आकांक्षा सोनवरे और कैप्टन शिवानी मानहर ने किया। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर महिला पायलटों का ग्रैंड वेलकम किया गया। कैप्टन जोया ने बताया कि आज हमने न केवल नॉर्थ पोल के ऊपर से उड़ान भर कर इतिहास रचा है, बल्कि सभी महिला पायलटों ने सफलतापूर्वक ऐसा कर भी इतिहास रचा। हम सभी इसका हिस्सा बनकर खुश हैं। इस रूट से 10 टन फ्यूल की बचत हुई है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी एयर इंडिया की महिला पायलटों को बधाई दी।

अमशीपोरा मुठभेड़ में कैप्टन ने इनाम की 20 लाख की राशि हड़पने के लिए रची थी साजिश

श्रीनगर, (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के अमशीपोरा में गत वर्ष जुलाई महीने में हुई मुठभेड़ में तीन युवकों के मारे जाने के मामले में पुलिस चार्जशीट में नया खुलासा हुआ है। यह पता चला है कि मुठभेड़ में शामिल सेना के कैप्टन भूपिंदर सिंह ने दो नागरिकों के साथ मिलकर इनाम की 20 लाख की राशि को हड़पने के लिए साजिश रची थी। भूपिंदर इन दिनों सेना की हिरासत में है। वे कोर्ट मार्शल का सामना कर सकते हैं। अमशीपोरा में 18 जुलाई को मुठभेड़ में राजोरी जिले के तीन युवक इम्तियाज अहमद, अबरार अहमद व मोहम्मद इबरार मारे गए थे। इन्हें आतंकवादी बताया गया था। सीजेएम अदालत में दाखिल चार्जशीट में दो नागरिकों ताबिश नजीर व बिलाल अहमद लोन को भी आरोपी बनाया गया है।

सोज ने की मुठभेड़ जांच की मांग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सैफुद्दीन सोज ने 30 नवंबर को श्रीनगर के लवायपोरा में हुई मुठभेड़ की जांच कराने की मांग की है जिसमें तीन आतंकवादी मारे गए है। प्रो. सोज ने सोमवार को यहां जारी बयान में आरोप लगाया कि अब सबूतों के आधार पर सार्वजनिक रूप से इस बात पर बहस की जा रही है कि लवायपोरा में कोई मुठभेड़ नहीं हुई थी जिसमें पुलवामा के तीन युवक मारे गए थे। लोगों को विश्वास है कि उन तीन युवकों की हत्या की हत्या की गई हैं जो 11 वीं कक्षा के छात्र थे।

दस राज्यों में बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि

मप्र के चार जिलों में प्रवासी पक्षियों में मिला फ्लू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के दस राज्यों में पक्षियों में बर्ड फ्लू फैलने के मामलों की पुष्टि हो गयी है । उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और केरल में पाल्ट्री, पक्षियों और प्रवासी पक्षियों में बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि हो गई है।

राजस्थान के टोंक , करौली और भीलवाड़ा और गुजरात के वलसाड़ , वडौदरा और सूरत जिले में कौआ एवं प्रवासी पक्षियों के बर्ड फ्लू से मौत की पुष्टि हो गई है । उत्तराखंड के कोटद्वार और देहरादून में भी कौओं की मौत हुई है । महाराष्ट्र के मुंबई , थाने , दापोली और बीड जिलों में बर्ड फ्लू से कोओं के मरने की पुष्टि हुई है। हरियाणा में बीमारी की रोकथाम के लिए पक्षियों को मारा जा रहा है।

हरियाणा के पंचकूला के दो पोल्ट्री फार्म, मध्य प्रदेश के शिवपुरी, राजगढ़, आगर और विदिशा जिले के प्रवासी पक्षियों में, उत्तर प्रदेश के कानपुर जैविक उद्यान में, राजस्थान के प्रतापगढ़ और दौसा जिले में बर्ड फ्लू फैलने के मामलों की पुष्टि हो गई है। पशुपालन विभाग ने इन राज्यो को बीमारी की रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पोल्ट्री और पक्षियों के मारने की सूचना आई है । राज्य में आपात स्थिति से निपटने के लिए टीम गठित की गई है और नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। दिल्ली के संजय झील में पहले बत्तखों के मरने की सूचना मिली थी । नमूनों को जांच के लिए जालंधर भेजा गया था।

घबराने अथवा चिंता की कोई बात नहीं

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि बर्ड फ्लू को लेकर दिल्ली सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। घबराने अथवा चिंता की कोई बात नहीं। इस बीच केरल में मुर्गियों के मारने का ऑपरेशन पूरा हो गया है। केरल के अलावा हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में केंद्रीय विशेषज्ञों के दल को तैनात किया गया है। राज्यों से बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया गया है।

लद्दाख में एलएसी पर भारतीय सीमा में पकड़े गए चीनी सैनिक को लौटाया गया

नई दिल्ली । देश में आठ जनवरी को एलएसी पार करके भारतीय सीमा में घुसे चीनी सैनिक को आज यानी सोमवार को भारतीय सेना ने चुशूल में चीन सेना को वापस लौटा दिया है।

भारतीय सेना ने इसकी जानकरी दी है। बता दें कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पार करके पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के दक्षिणी तट पर भारतीय भू-भाग में प्रवेश कर जाने के बाद एक चीनी सैनिक को भारतीय थल सेना ने शुक्रवार को पकड़ लिया था।

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का यह सैनिक एलएसी पार कर भारत के लद्दाख में पहुंच गया था। इस दौरान वहां तैनात भारत के सैनिकों ने उसे हिरासत में ले लिया था। चीन की तरफ से दावा किया था कि उनका सैनिक रास्ता भटक गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने भारत से अपने सैनिक लौटाने के लिए काफी निवेदन किया था।

देश में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले करीब तीन महीने में इस तरह की यह दूसरी घटना है। शनिवार को भारतीय अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी थी। चीनी सैनिक ऐसे समय में पकड़ा गया था, जब मई की शुरुआत में पैंगोंग झील के पास दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई तभी से सीमा पर तनाव है। इस तनाव के चलते भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ओर से पूर्वी लद्दाख में भारी संख्या में सैनिकों की तैनाती की गई है।

यूपी: लव जिहाद के पहले ही केस में सबूत नहीं

15 को सुनवाई करेगा इलाहाबाद हाईकोर्ट

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी सरकार ने सबसे पहले धर्म परिवर्तन को लेकर कानून बनाया लेकिन अब इस कानून पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। यहां तक कि इस कानून के तहत दर्ज किया गया पहला मामले में ही कोई सबूत नहीं मिल पाया है। धर्मांतरण को लेकर बनाए गए इस कानून के तहत जो पहला मामला दर्ज किया गया था, अब यूपी सरकार ने हाईकोर्ट में बताया है कि आरोपी मुस्लिम युवक के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं।

कानून पारित होने के ठीक दो दिन बाद 29 नवंबर 2020 को मुजफ्फरनगर में पहला मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में अक्षय त्यागी नाम के एक शख्स ने मुस्लिम युवक नदीम के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। उसने आरोप लगाया था कि नदीम उसकी पत्नी को अपने जाल में फंसाकर उसका धर्म परिवर्तन करना चाहता है। साथ ही उसने शादी का भी वादा किया है। इसके बाद नए कानून के तहत नदीम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। यूपी की योगी सरकार के इस विवादित कानून को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं, जिन पर हाईकोर्ट अब 15 जनवरी को सुनवाई करेगा।

सीरम इंस्टीट्यूट को केंद्र सरकार से मिला वैक्सीन की खरीद का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसियां। देश में कोरोना टीकाकरण की शुरुआत 16 जनवरी से होने वाली है। पहले चरण में तीन करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को यह टीका मुहैया कराया जाएगा। इसके बाद बाद 27 करोड़ उन लोगों को टीका लगाए जाने की योजना है, जिन्हें संक्रमण का ज्यादा खतरा है। इनमें वे लोग शामिल हैं जिनकी उम्र 50 साल से अधिक है या जो पहले से किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। इस बीच देश में अब तक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को भारत सरकार से खरीद आदेश प्राप्त हुआ है। यह जानकारी सीरम इंस्टीट्यूट के अधिकारी ने दी है। यह टीका 200 रुपये प्रति शीशी के मूल्य पर उपलब्ध होगा। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार, केंद्र ने सीरम इंस्टीट्यूट से कोविशील्ड वैक्सीन के लिए 1 करोड़ 11 लाख खुराक का ऑर्डर दिया है। प्रति खुराक 210 रुपये की लागत आएगी।

ज्ञात हो कि पिछले दिनों केंद्र सरकार और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के बीच कोविशील्ड वैक्सीन की कीमत कम करने को लेकर बातचीत चल रही थी। सरकार चाहती है कि सीरम इंस्टीट्यूट अपनी कोरोना वैक्सीन की कीमत कम करे, जिससे इसे जल्द से जल्द और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक आसानी से मुहैया कराया जा सके।

देश की ड्रग नियामक संस्था डीसीजीआइ ने बीते 3 जनवरी को दो कोरोना वैक्सीन- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। इसके बाद सरकार ने बीते दिनों कोरोना टीकाकरण की तारीख ऐलान करते हुए बताया कि देश में टीकाकरण 16 जनवरी से शुरू किया जाएगा। टीकाकरण अभियान को लेकर सभी राज्यों ने कमर कस ली है। राज्यों ने तैयारियां पूरी कर लेने का दावा किया है। बंगाल से लेकर गोवा और आंध्र प्रदेश से लेकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं गुजरात ने प्राथमिकता वाले समूहों तक वैक्सीन पहुंचाने के प्रबंध किए हैं।

ब्रिटेन से भारत लौटे 186 यात्रियों में से चार कोरोना पॉजिटिव निकले

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया के विमान से सोमवार को ब्रिटेन से 186 यात्री स्वदेश लौटे हैं। दिल्ली हवाई अड्डे पर जांच के दौरान इनमें चार लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जेनेस्ट्रिंग जेनेटिक लेबोरेटरी के संस्थापक-निदेशक डॉ. गौरी अग्रवाल ने यह जानकारी दी। जेनेस्ट्रिंग लैब की निदेशक डॉ. गौरी अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि एयर इंडिया की लंदन-दिल्ली फ्लाइट में यात्रा कर रहे चार यात्रियों ने कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया। विदेश से लौटने वाले यात्रियों की कोविड जांच के लिए जेनेस्ट्रिंग जेनेटिक लेबोरेटरी बनाई गई है। ब्रिटेन और भारत से आने वाली उड़ानों को कोविड का नया स्ट्रेन आने के बाद 8 जनवरी से उड़ानों को दोबारा शुरू कर दिया गया है।

अमेरिका में कोरोना से तबाही बरकरार, कोविड-19 से 3.72 लाख लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से सबसे गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से मरने वालों की संख्या 3.70 लाख के पार पहुंच गयी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक

अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 3,72,384 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 2,21,29,231 हो गयी है।

अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 39,471 लोगों की मौत हुई है। न्यूजसी में अब तक 19,854 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 29,627 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में इसके कारण 30,313 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 22,804 लोगों की जान गई है। इसके अलावा इलिनॉयस में 19,210, मिशीगन में 14,145, मैसाचुसेट्स में 13,074 जबकि पेंसिल्वेनिया में कोरोना से 17,626 लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया, कोलोराडो और फ्लोरिडा प्रांत में ब्रिटेन में हाल में पाए गए कोरोना वायरस के नये स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। कोरोना वायरस का यह नया स्ट्रेन 70 प्रतिशत अधिक संक्रामक है। गौरतलब है कि देश में फाइजर और मॉडना की कोरोना वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद टीकाकरण का अभियान भी बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है।

पोम्पिओ ने ताइवान के साथ राजनयिक संपर्क स्थापित करने पर लगे प्रतिबंध हटाए

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा है कि विदेश विभाग ताइवान के साथ राजनयिक स्तर पर और अन्य स्तर पर संपर्क स्थापित करने पर लगे प्रतिबंधों को समाप्त कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का यह चीन को दुखी कर सकता है। ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कने की की वकालत की है । प्रशासन ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि संयुक्तराष्ट्र में दूत केली क्राफ्ट ताइवान जाएंगी। अमेरिकी घोषणा के बाद चीन ने इसकी तीखी आलोचना की और चेताया कि अमेरिका को भारी कीमत चुकानी होगी।

पोम्पिओ ने शनिवार को कहा, मैं ऐलान कर रहा हूं कि मैं (ताइवान के संबंध में) लगाए गए सभी प्रतिबंधों को खत्म कर रहा हूं। गौरतलब है कि चीन सरकार का दावा करती रही है ताइवान चीन का हिस्सा है। चीन अपने राजनयिक ताकत का इस्तेमाल कर ताइवान को ऐसे किसी भी संगठन में शामिल होने से रोकता है जिसकी सदस्यता के लिए देश का दर्जा हासिल होना जरूरी है। पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में अनौपचारिक साझेदारों के साथ रिश्ते कायम रखता है और इसमें ताइवान कोई अपवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि आज का बयान इस बात को स्वीकार करता है कि अमेरिका ताइवान रिश्तों को नौकरशाही द्वारा खुद लगाए गए प्रतिबंधों से प्रभावित होने की जरूरत नहीं है।

पाकिस्तान में ब्लैकआउट, कराची लाहौर, इस्लामाबाद सहित कई शहर अंधेरे में डूबे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में देर रात पावर ब्रेकडाउन हुआ जिसकी वजह से पूरा देश अंधेरे में डूब गया है। ब्लैकआउट की जानकारी सबसे पहले सोशल मीडिया पर मिली लेकिन अब पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री उमर अयूब ने देशभर में बिजली गुल होने की पुष्टि की है। तकनीकी खराबी की वजह से कराची, इस्लामाबाद, लाहौर, पेशावर और रावलपिंडी समेत कई अहम शहर पूरी तरह अंधेरे में डूब गए। पाकिस्तानी वेबसाइट के मुताबिक, नेशनल पावर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम में ट्रिपिंग की वजह से यह ब्लैकआउट हुआ है। पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है और फिलहाल तारबेला पावर स्टेशन के जरिए बिजली की आपूर्ति करने की कोशिश की जा रही है। ऊर्जा मंत्री उमर अयूब ने लोगों से धैर्य बनाए रखने के की अपील की है।

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने ट्विटर के जरिए जानकारी दी कि पावर ट्रांसमिशन सिस्टम की फ्रीक्वेंसी में अचानक 50 से 0 की गिरावट आने से देशभर में ब्लैकआउट हो गया। पाकिस्तानी ऊर्जा मंत्रालय के ट्विटर हैंडल पर दी गई जानकारी के मुताबिक, अब बिजली बहाली का काम शुरू हो चुका है।

कैपिटल में घुसने और हमलावरों का साथ देने के आरोपी सांसद ने इस्तीफा दिया

वाशिंगटन। अमेरिका में वेस्ट वर्जीनिया राज्य के एक सांसद ने कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) के निरुद्ध क्षेत्र में घुसने और हमलावरों का साथ देने के आरोप लगने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य डेरिक इवांस ने गवर्नर जिम जस्टिस को पत्र लिखकर कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। इवांस (35) को शुक्रवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद वेस्ट वर्जीनिया के हंटिंगटन में संघीय न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। दोषी साबित होने पर उन्हें डेढ़ साल तक की कैद हो सकती है। उनपर निरुद्ध क्षेत्र में प्रवेश करने और नियम विरुद्ध आचरण के आरोप लगाए गए हैं।

इवांस ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि वह अपने आचरण की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने कामों की पूरी

जिम्मेदारी लेता हूं और यदि मेरी वजह से मेरे परिवार, मित्रों तथा वेस्ट वर्जीनिया के मेरे साथियों को किसी प्रकार का दुख पहुंचा हो अथवा असहज स्थिति का सामना करना पड़ा हो तो उसका मुझे खेद है। इवांस एक वीडियो में कैपिटल बिल्डिंग के दरवाजे पर लोगों की भीड़ के बीच शोरशराबा करते और अन्य लोगों के साथ अंदर घुसने की कोशिश करते नजर आते हैं। इमारत में अंदर घुसने के बाद इवांस ने कैपिटल रोटुंडा के चक्कर काटे जहां ऐतिहासिक तस्वीरें लगी हुई हैं।

वहीं, अमेरिका के निरवर्तमान उप-राष्ट्रपति माइक पेंस राष्ट्रपति जो बिडेन के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। एबीसी न्यूज चैनल ने एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। इससे पहले बिडेन ने पेंस को अपने शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। वहीं, बिडेन ने निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा उनके शपथग्रहण समारोह में शामिल नहीं होने के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। उल्लेखनीय है कि बिडेन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

परमाणु संकट: अगर अमेरिका ने प्रतिबंध नहीं हटाए तो, परमाणु स्थलों का निरीक्षण नहीं करने देगा ईरान

लंदन। ईरान और अमेरिका का तनावपूर्ण संबंधों के बीच परमाणु संकट बढ़ता जा रहा है। ईरान का कहना है कि अगर अमेरिका 21 फरवरी से पहले अपने प्रतिबंध उस पर से नहीं हटाता है तो, वह संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरक्षणों को निरीक्षण नहीं करने देगा। ईरान के एक सांसद ने शनिवार को ये जानकारी दी है।

इससे पहले परमाणु मामलों पर नज़र रखने वाले संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल एटॉमिक इनर्जी एजेंसी बता चुकी है कि ईरान ईरान परमाणु संवर्धन को 20 प्रतिशत शुद्धता तक बढ़ाने जा रहा है।

ईरान की संसद ने नवंबर में एक कानून पारित किया, जिसके तहत अगर उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील नहीं दी जाती है तो, ये कानून सरकार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानी आईएईए को ईरान के परमाणु स्थलों के निरीक्षण को रोकने के लिए बाध्य करेगा और तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते के तहत निर्धारित सीमा से अधिक यूरेनियम संवर्धन कर सकेगा।

ईरान की अभिभावक परिषद की निगरानी संस्था ने 2 दिसंबर को इस कानून को मंजूरी दे दी और सरकार ने कहा है कि वह इसे लागू करेगी। सांसद अहमद अमीराबादी ने कहा, ÷कानून के अनुसार, अगर अमेरिकी वित्तीय, बैंकिंग और तेल प्रतिबंधों को 21 फरवरी तक नहीं उठाते हैं, तो हम निश्चित रूप से देश से आईएईए निरीक्षकों को निष्कासित कर देंगे और निश्चित रूप से अतिरिक्त प्रोटोकॉल के स्वैच्छिक कार्यान्वयन को समाप्त करेंगे।

ईरान में की गई टिप्पणियों में आईएईए के मिशन और गतिविधियों को नियंत्रित करने वाली बातों का जिक्र है। एक बयान में, अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा

कि ईरान का दायित्व था कि वह इन निरीक्षकों की अनुमति दे।

पोम्पियों ने कहा एक बार फिर ईरानी शासन अपने परमाणु कार्यक्रम का उपयोग अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को निकालने और क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए कर रहा है। ईरान ने आईएईए को सूचित किया है कि हाल ही में संसद में पारित कानून का पालन करने के लिए वह फोर्डो ईंधन संवर्द्धन संयंत्र में 20 फीसदी तक यूरेनियम संवर्द्धन करना चाहता है ईरान ने कहा कि सोमवार को उसने एक भूमिगत परमाणु सुविधा में 20त्न यूरेनियम संवर्धन फिर से शुरू किया। ईरान ने 2019 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 2018 में अमेरिका से इसे वापस लेने और अमेरिकी प्रतिबंधों को फिर से हटाने के जवाब में समझौते का उल्लंघन करना शुरू कर दिया था। ईरान को अक्सर ये कहते देखा गया है कि यदि वाशिंगटन के प्रतिबंध हटा दिए जाते हैं तो वह अपने उल्लंघनों को जल्दी ही उलट सकता है।

पाक को अमेरिका की नसीहत, मुंबई हमले के लिए लखवी को ठहराए जिम्मेदार

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेशन कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी को आतंकवाद को धन मुहैया करने के मामले में पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने से वह उत्साहित है, लेकिन पाकिस्तान को उसे 2008 के मुंबई हमले सहित कई आतंकी हमलों में शामिल होने के लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए।

पाकिस्तान में मुक्त रूप से घूम रहे आतंकवादियों को सजा देने के लिए पाकिस्तान पर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच आतंकी वित्त पोषण के एक मामले में पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी एक अदालत ने शुक्रवार को मुंबई हमले के मास्टरमाइंड लखवी को 5 साल की कैद की सजा सुनाई।

अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमेरिकी विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशिया ब्यूरो ने ट्वीट किया, हम ज़की-उर-रहमान लखवी को दोषी ठहराए जाने से उत्साहित हैं। हालांकि, उसके अपराध आतंकवाद के वित्तपोषण से काफी अधिक भयानक हैं। पाकिस्तान को मुंबई हमलों सहित आतंकवादी हमलों में शामिल होने के लिए उसे जिम्मेदार ठहराना चाहिए। भारत ने लखवी को

आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में पाकिस्तानी अदालत द्वारा जेल की सजा सुनाए जाने के बाद पाकिस्तान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय बैठकों से पहले आडंबर करना पाकिस्तान के लिए आम बात हो गई है। भारत ने कहा कि ये कदम साफ दिखाते हैं कि फरवरी 2021 में एफएटीएफ की पूर्ण बैठक और एपीजेजी (एशिया प्रशांत संयुक्त समूह) की बैठक से पहले पाकिस्तान खुद को कार्रवाई करते हुए प्रदर्शित करना चाहता है।

ब्रिटेन में कोरोना टीकों के नाम पर लोगों से की जा रही धोखाधड़ी, एनसीए ने किया सावधान

लंदन। ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने देशवासियों को सचेत किया है कि देश में कुछ धोखेबाज कोविड-19 टीका लगाने के नाम पर लोगों से उनके बैंक खातों संबंधी जानकारी या नकद राशि मांगकर पैसे ऐंठ रहे हैं। ब्रिटेन में फाइजर/बायोएनटेक और ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका के टीके लगाने का काम शुरू हो चुका है। ऐसे में प्राधिकारियों ने इस सप्ताह एक संदेश भेजकर टीकों संबंधी घोटालों को लेकर लोगों को सतर्क किया है।

लंदन में एक व्यक्ति ने स्वयं को टीका लगाने वाला बताकर 92 वर्षीय महिला से 160 पाउंड ठग लिए, जिसकी जांच शहर की पुलिस कर रही है। एनसीए ने कहा कि वह लोगों को सतर्क रहने और एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) कोविड टीकाकरण कार्यक्रम संबंधी मूलभूत सलाह का पालन करने की

अपील करने के लिए सरकार एवं कानून प्रवर्तन के साथ मिलकर काम कर रही है।

उसने कहा कि एनएचएस कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के तहत मुफ्त में टीका लगाया जाएगा और एनएचएस टीकों के लिए कोई भुगतान करने को नहीं कहेगा और न ही बैंक खातों की जानकारी मांगेगा। एनसीए में राष्ट्रीय आर्थिक अपराध केंद्र के महानिदेशक ग्राएमे बिगर ने कहा, धोखाधड़ी के मामले अभी कम है, लेकिन इनकी संख्या बढ़ रही है।

ब्रिटेन के गृह मंत्रालय में सुरक्षा राज्य मंत्री जेम्स ब्रोकेनशायर ने कहा, यह दुखद वास्तविकता है कि धोखेबाज और घोटाला करने वाले इस वैश्विक महामारी का इस्तेमाल लोगों को ठगने के लिए कर रहे हैं। यदि आपको कोई ई-मेल या संदेश भेजकर या फोन कॉल करके एनएचएस से संबंधित होने का दावा करता और आपसे टीके का भुगतान करने को कहता है, तो यह घोटाला है।÷ ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्तर पर धोखाधड़ी एवं साइबर अपराध के मामले दर्ज करने वाले केंद्र %एक्शन फ्रॉड ने सचेत किया कि कोविड-19 टीकाकरण के करीब 57 मामले दर्ज किए गए हैं।

क्रैश होकर तेज धमाके के साथ समुद्र में गिरा इंडोनेशिया का विमान, सभी 62 लोगों के मारे जाने की आशंका

इंडोनेशिया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद श्रीविजय एयर के जेट यात्री विमान दुर्घटना का शिकार हो समुद्र में जा गिरा। उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद विमान का संपर्क हवाई यातायात नियंत्रक से टूट गया। घरेलू उड़ान भर रहे इस विमान में 62 लोग सवार थे, जिनमें से किसी के भी बचने की गुंजाइश नहीं है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होनी अभी बाकी है। इंडोनेशिया के परिवहन मंत्री बुदि करया सुमादी ने कहा कि उड़ान %एसजे182% ने एक घंटे देरी से स्थानीय समयानुसार अपराह्न 2÷36 बजे उड़ान भरी थी, जिसका करीब चार मिनट बाद रडार से संपर्क टूट गया। इससे पहले पायलट ने 29,000 फुट की ऊंचाई पर जाने के लिए हवाई यातायात नियंत्रक से संपर्क किया था।

वहीं, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्होंने एक धमाके की आवाज सुनी। बीबीसी के मुताबिक एक स्थानीय मछुआरे ने हादसा होते हुए देखा, जिसके बाद वे अपने कैप्टन के साथ द्वीप पर वापस लौट गए। मछुआरे ने बीबीसी को बताया, 'विमान समुद्र में बिजली की तरह गिरा और पानी में जोरदार धमाका हुआ। हम पास में ही थे, विमान का कुछ मलबा हमारे जहाज से भी टकराया।' वहीं, स्थानीय मीडिया के मुताबिक, 'थाउजैंड द्वीप समूह' में मछुआरों ने शनिवार दोपहर को कुछ लोहे के टुकड़े देखे हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि ये विमान के हिस्से हो सकते हैं।

राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के उप प्रमुख बाम्बांग सुरयो अजि ने कहा कि बचाव दल ने मछुआरों से विमान के कथित मलबे एवं कुछ कपड़ों को एकत्र किया है, जिन्हें

राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा समिति को सौंपा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या ये चीजें लापता विमान से संबंधित हैं? वहीं, बचाव एवं तलाशी अभियान में जुटे एक पोत के कमांडर ने बताया कि मछुआरों को तार एवं धातु के टुकड़े पानी में मिले हैं। उन्होंने कहा, 'मछुआरों ने हमें बताया कि उन्हें तूफान जैसी बेहद तेज आवाज सुनाई दी और उसके बाद उन्हें ये चीजें मिली।'

साथ ही स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि मछुआरों को जहां से ये चीजें मिली, उसी स्थान के पास कुछ तेल (ईंधन) भी पाया गया है। लानचांग द्वीप के मछुआरे सोलिहिन ने कहा कि उसने और उसके एक अन्य साथी ने जहां वह मौजूद थे, उससे करीब 30 मीटर की दूरी पर एक धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा, हमें लगा कि यह कोई बम या सुनामी है क्योंकि तेज धमाके के बाद हमें समुद्र की ऊंची लहरें दिखाई दीं।

वहां काफी तेज बारिश हो रही थी और मौसम भी बेहद खराब था इसलिए आसपास साफ तौर पर देखने में परेशानी आ रही थी। हालांकि, हमने तेज धमाके की आवाज के बाद ऊंची लहरें देखीं। बाद में हम अपनी नौका के पास विमान का मलबा और विमान का ईंधन देखकर चौंक गए।' अजि ने कहा कि विमान से कोई रेडियो सिग्नल प्राप्त नहीं हो पाए थे। यह 26 साल पुराना विमान था। उन्होंने कहा कि उनकी एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि विमान के आपातकालीन ट्रांसमीटर से कोई सिग्नल क्यों प्राप्त नहीं हो पाए थे, ताकि ये पुष्टि की जा सके कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, अथवा नहीं।

इस बीच, श्रीविजय एयर के अध्यक्ष जेफरसन इरविन ने संवाददाताओं से कहा कि विमान उड़ने भरने के लिए पूरी तरह सुरक्षित था। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले दिन में विमान ने पोंटियानक और पांग्कल पिनांग शहर के लिए उड़ान भरी थी। जेफरसन ने यह भी कहा कि विमान ने खराब मौसम के चलते देरी से उड़ान भरी थी ना कि किसी अन्य खराबी के चलते।

बर्ड फ्लू पर चिंता की कोई बात नहीं : सिसोदिया

नई दिल्ली (संवाददाता)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं अधिकारियों के साथ बात करके बर्ड फ्लू का संक्रमण रोकने की पूरी निगरानी कर रहे हैं। दिल्ली में बर्ड फ्लू पर चिंता की कोई बात नहीं है। एहतियात के तौर पर अन्य राज्यों से आने वाले प्रोसेस्ड चिकन और लाइव स्टॉक पर रोक लगाई गई है। दिल्ली मुर्गा मंडी भी कुछ दिन बंद रहेगी।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि संजय लेक से बतखों के नमूनों की पॉजिटिव रिपोर्ट आई है। इसके कारण उस क्षेत्र को अच्छी तरह सैनेटाइज किया जा रहा है। अगर वहां बतखों के पंख फैले हों या उनका कुछ अन्य पदार्थ गिरा हो तो उससे संक्रमण न हो, इसके लिए पूरी सफाई कराई जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों जालंधर भेजे गए 100 सैम्पल के नतीजों का इंतजार है। लेकिन दिल्ली में बर्ड फ्लू से घबराने की कोई बात नहीं है। पशुपालन इकाई, विकास विभाग के अधिकारियों को राज्य भर में सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एहतियात के तौर पर लाइव स्टॉक, मुर्गा इत्यादि बाहर से लाने पर दस दिन की रोक लगाई गई है। साथ ही, पैकेज्ड चिकन या प्रोसेस्ड चिकन को भी बाहर से लाकर दिल्ली में बेचने पर रोक है ताकि एक राज्य से दूसरे राज्य में संक्रमण रोका जा सके। लेकिन बर्ड फ्लू से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह एक सामान्य इन्फ्लूएंजा है। पक्षी से मनुष्य में इसके फैलने की बात अब तक सामने नहीं आई है। जो लोग चिकन खाते हैं, उन्हें भी घबराने की जरूरत नहीं है। पूरी तरह पके हुए चिकन या उबले और पकाए हुए अंडे से संक्रमण का खतरा नहीं है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने गत 28 अक्टूबर 2020 को ही राज्य के सभी डॉक्टर्स और संबंधित लोगों को अलर्ट जारी करके बर्ड फ्लू की निगरानी का निर्देश जारी कर दिया था। इसके बाद चार जनवरी 2021 को भी सभी डॉक्टर्स को लगातार नमूना संग्रह करने तथा कड़ी निगरानी का दिशानिर्देश जारी किया गया। दिल्ली सरकार के पशुपालन इकाई, विकास विभाग के सभी 48 वेटनरी अस्पताल के डॉक्टर लगातार राज्य भर में बर्ड फ्लू की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही, 11 रैपिड रिस्पॉन्स टीम बनाई गई है जो लगातार नमूनों का संग्रह कर रही है।

संक्रमण रोकने की पूरी कोशिश कर रही है दिल्ली सरकार

अन्य राज्यों से आने वाले प्रोसेस्ड चिकन और लाइव स्टॉक पर रोक

दिल्ली में बर्ड फ्लू की दस्तक

द्वारका पार्क और संजय झील से लिए गए सैम्पल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के संजय पार्क के बाद दिल्ली में एक और जगह से पक्षियों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। द्वारका सेक्टर-9 के डीडीए पार्क में 2 कौवों के सैम्पल में बर्ड फ्लू पाया गया है। इन दो कौवों के सैम्पल भोपाल की लैब में जांच के लिए भेजे गए थे। रिपोर्ट आने के बाद फिलहाल पार्क को अगली सूचना जारी होने तक आम लोगों के लिए बन्द कर दिया गया है। यहां भी प्रोटोकॉल के मुताबिक क्लीनिंग का काम किया जाएगा। आपको बता दें कि अब तक डीडीए के तीन पार्कों को अगली सूचना जारी होने तक बन्द किया गया है। इनमें जिनमें संजय झील, हस्तसाल और द्वारका सेक्टर-9 के पार्क शामिल हैं। गौरतलब है कि इससे पहले संजय झील से 8 सैम्पल पॉजिटिव पाए गए थे, जिन्हें जांच के लिए भोपाल भेजा गया था। इसके बाद संजय झील में सोमवार पूरे दिन एनिमल हसबेंडरी विभाग और वेटरनरी विभाग की टीम मौजूद रही और बत्तखों को दफनाने से लेकर पूरे इलाके को सेनेटाइज करने का काम किया गया।

दिल्ली में प्रोसेस्ड चिकन के आयात पर रोक, खुले में मुर्गा बेचने पर पाबंदी

नई दिल्ली । दिल्ली में बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए सरकार एहतियात बरत रही है. गाजीपुर मुर्गा मंडी को 10 दिन के लिए बंद कर दिया गया है. इसके अलावा दिल्ली सरकार ने कई उदम उठाए हैं. बता दें कि दिल्ली से भेजे सैंपल में से 8 पक्षियों की जांच रिपोर्ट में बर्ड फ्लू पाया गया है. राजधानी में खुले में मुर्गा बेचने पर पाबंदी लगा दी गई है. दिल्ली में जीवित पक्षियों के आयात को प्रतिबंधित कर दिया गया है. इसके अलावा सरकार ने पैकेज्ड और प्रोसेस्ड चिकन के आयात पर भी रोक लगा दी है.

पूर्वी दिल्ली का संजय झील पार्क बंद कर दिया गया है. यहां बड़ी संख्या में पक्षी आते हैं. इसके अलावा साउथ दिल्ली का हौज खास पार्क, साउथ वेस्ट दिल्ली के द्वारका सेक्टर 9 का पार्क और वेस्ट दिल्ली का हस्तसाल पार्क को भी पब्लिक की आवाजाही के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है.

इसके अलावा दिल्ली के दूसरे पार्कों को भी अलर्ट पर रखा गया है. किसी भी पार्क से मौत का मामला सामने आने पर पार्क में एंट्री बंद कर दी जाएगी.

कोरोना को देखते हुए दिल्ली के चिड़ियाघर में पहले से ही पब्लिक की एंट्री बंद है. हालांकि यहां प्रोटोकॉल के तहत सुबह और शाम साफ सफाई की जा रही है और पक्षियों से लेकर जानवरों को भोजन में अंडे और चिकन नही खिलाने के निर्देश दिए गए हैं.

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में बाहर से आने वाले प्रोसेस्ड चिकन पर रोक लगाने का फैसला किया गया है. जो लोग चिकन और अंडा खाते हैं उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अगर आप पूरी तरह से पका हुआ चिकन या उबला हुआ अंडा खाते हैं तो आपको संक्रमण नहीं होगा.

डिप्टी सीएम ने कहा कि बर्ड फ्लू से घबराने की जरूरत नहीं है. यह एक साधारण फ्लू है, यह पक्षी से इंसान में फैल सकता है लेकिन अभी तक ऐसे प्रमाण नहीं मिले हैं कि यह इंसान से इंसान में फैल जाए.

एक नजर

राजीव गांधी अस्पताल में 11 जनवरी से फिर शुरू होगी ओपीडी, सर्जरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा संचालित राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल कॉविड समर्पित सुविधा में बदले जाने के दस महीने बाद सोमवार से सामान्य अस्पताल के रूप में फिर से कार्य करने लगेगा। अस्पताल की प्रवक्ता डॉ. छवि गुप्ता ने आईएएनएस को बताया कि इस अस्पताल में ओपीडी के कार्य और सर्जरी फिर से शुरू होगी। हालांकि, यह सेवा फिलहाल केवल तीन दिन- सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध होगी। यह कदम लोगों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आएगा, खासकर पूर्वी दिल्ली और गाजियाबाद के निवासियों के लिए, क्योंकि यह सीमा पर स्थित है। राजीव गांधी अस्पताल को लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के साथ यहां कोविड-19 के प्रकोप के बाद 16 मार्च को कोरोना मरीजों के लिए समर्पित अस्पताल में बदल दिया गया।

लूडो में हार-जीत के लिए हुई लड़ाई में युवक को चाकू से गोदा

नई दिल्ली। लूडो के खेल में हार और जीत के बाद शुरू हुए झगड़े के बाद एक युवक ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर नाबालिग को चाकू से गोद दिया। सागरपुर इलाके में शनिवार शाम को हुई वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल नाबालिग 17 वर्षीय विक्रम घायल अवस्था में अपने घर पहुंचा। जिसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। अस्पताल पहुंची पुलिस ने घायल का बयान लेकर केस दर्ज कर लिया। फिलहाल पुलिस तीनों आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विक्रम अपने परिवार के साथ दुर्गो पार्क वेस्ट सागरपुर इलाके में किराए के मकान में रहता है। जबकि परिवार मूलत- हाथरस उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों पहले उनका आयुष से लूड़ो खेलने के दौरान हारने पर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद से वह लगाकर धमकी दे रहा था। शनिवार को विक्रम अपने दुर्गो पार्क में कल्लड़ में बैठा हुआ था। इसी दौरान आयुष अपने दोस्तों राहुल व मितेश के साथ वहां पहुंचा और विक्रम से झगड़ा शुरू कर दिया। आरोपियों ने उसे जमकर पीटा और फिर चाकू से गोद डाला।

आरडब्लूए के विजेता पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

नई दिल्ली। ईस्ट ऑफ लोनी रोड, एलआईजी फ्लैट्स रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन चित्रकूट के चुनावों में जीत दर्ज करने वाले विजयी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी पदाधिकारियों को चुनाव कमेटी के चेयरमैन प्रमोद त्यागी ने जीत के प्रमाणपत्र प्रदान किये। मंच पर चुनाव कमेटी के अन्य पदाधिकारी प्रवीण जैन, अमित कुमार गुर्जर, प्रकाश चंद जैन, सूरजपाल, लवी व नरेन्द्र प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी एडवोकेट मुकेश हुड्डा ने किया। देवेंद्र शर्मा पैनल-1 के 5 में से 4 पदों अध्यक्ष पद पर देवेंद्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष माता राम प्रेमी, महासचिव पद पर चंद्रपाल पंवार और सचिव पद पर संजीव तायल ने जीत दर्ज की थी। और नरेश सिंह पूनिया पैनल नंबर 2 के वीरेंद्र सिंह ने कोषाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी। सभी को जीत के प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वहीं, सभी का स्थानीय लोगों ने फूलमालाओं व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत भी किया गया।

गाजियाबाद में ESIC अस्पताल में कोविड-19 वैक्सीन के ड्राइ रन में एक स्वयंसेवक भाग लेता है।

मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन की बढ़ी डिमांड, 9 देशों ने भारत से मांगी मदद

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच दुनिया को इसकी वैक्सीन का बेसब्री से इंतजार है. ऐसे में कोरोना वैक्सीन को लेकर कई देश भारत का रुख कर रहे हैं. भारत वैक्सीन के उत्पादन और आपूर्ति के लिए पूरी तरह तैयार है. ब्राजील, मोरक्को, सऊदी अरब, म्यांमार, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने भारत से वैक्सीन की आधिकारिक तौर पर मांग की है.

सूत्रों का कहना है कि कोरोना वैक्सीन के वितरण में भारत सरकार बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों को तवजो देगी. इस बाबत विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव कहते हैं कि भारत शुरू से ही ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 महामारी के खिलाफ आम लड़ाई में वैश्विक प्रतिक्रिया में सबसे आगे रहा है. हम इस दिशा में सहयोग करने को अपने कर्तव्य के तौर लेते हैं.

वहीं कोरोना वैक्सीन के लिए चल रही चर्चा के बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत की भूमिका को दोहराया. उन्होंने कहा कि भारत में दो वैक्सीन (कोविशील्ड-कोवैक्सीन) के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी जा चुकी है. पीएम ने कहा कि पहले भारत बाहर से पीपीई किट, मास्क, वेंटिलेटर और टेस्टिंग किट आयात करता था, लेकिन आज हमारा राष्ट्र आत्मनिर्भर है.

बता दें कि कई देशों ने भारत से अनुरोध किया है कि वे गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट के आधार पर या सीधे वैक्सीन डेवलपर्स के साथ आदेश दें, जो भारत में वैक्सीन का निर्माण कर रहे हैं.

खबरों के मुताबिक, नेपाल ने भारत से 12 मिलियन कोरोना वैक्सीन के डोज की मांग की है. वहीं, भूटान ने पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में निर्मित की जा रही वैक्सीन की 1 मिलियन डोज की मांग की है. म्यांमार ने भी सीरम के साथ एक खरीद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं. उधर, बांग्लादेश ने कोविशील्ड की 30 मिलियन डोज के लिए अनुरोध किया है.

गौरतलब है कि सिर्फ एशियाई देश ही नहीं बल्कि और कई देशों ने भारत से कोरोना वैक्सीन को लेकर संपर्क साधा है. ऐसे में भारत वैक्सीन का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन सकता है.

यूपी में दिल्ली के पूर्व मंत्री पर फेंकी गई स्याही, केजरीवाल ने योगी से पूछा- स्कूल देखने पर डर क्यों

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती पर उत्तर प्रदेश के रायबरेली में स्याही फेंकने पर सियासत गर्मा गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमनाथ भारती पर फेंकने की कड़ी निंदा की है। इसके साथ ही उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने यूपी के स्कूलों की हालत खराब होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सोमनाथ भारती वहां पर सरकारी स्कूल देखने जा रहे थे, लेकिन उन पर स्याही फेंक दी गई। केजरीवाल ने सवाल किया यूपी सरकार के स्कूल इतने ज़्यादा ख़राब हैं क्या? कोई आपका स्कूल देखने जाए तो आप इतना डर क्यों जाते हो? स्कूल ठीक कीजिए। नहीं करना आता तो मनीष सिसोदिया से पूछ लीजिए।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकारी स्कूलों की दुर्दशा यूपी सरकार किसी को दिखाना नहीं चाहती। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। यूपी के सीएम योगी को ट्वीटर पर टैग कर केजरीवाल ने आरोप लगाया कि खराब स्कूलों की वजह से प्रदेश के करोड़ों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

बता दें कि सोमवार को दिल्ली के पूर्व कानून मंत्री को उस समय असहज की स्थिति का सामना करना पड़ा जब वे रायबरेली में सरकारी स्कूल में जा रहे थे। बताया जा रहा है कि वह वहां पर पुलिस के साथ बातचीत कर रहे थे कि तभी एक युवक ने उन पर काली स्याही फेंक दी। इसके बाद आप नेता सोमनाथ भारती ने युवक को अपशब्द कहा और उसका पीछा भी किया।

आप का आरोप सोमनाथ को किया गया गिरफ्तार- वहीं, आम आदमी पार्टी का आरोप है कि सोमनाथ भारती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा कि अमेठी में सोमनाथ भारती के खिलाफ दर्ज एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया गया है। आप नेता सोमनाथ ने भाजपा पर गिरफ्तार करवाने का आरोप लगाया और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी अभी से ही भाजपा सरकार के खिलाफ माहौल बनाना चाहती है। अभी हाल में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया लखनऊ गए थे। जबकि वरिष्ठ पार्टी नेता संजय सिंह लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं।

कोरोना वैक्सीनेशन की तैयारियों का लिया जायजा

(संवाददाता)

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा सहायता एवं जन-स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष विनीत वोहरा ने मंगलवार को उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिन्दुराव और कस्तूरबा अस्पताल में कोरोना वैक्सीनेशन की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर पूर्व महापौर अवतार सिंह, निगम स्वास्थ्य अधिकारी, अशोक रावत व निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिन्दुराव और कस्तूरबा अस्पताल कोरोना वैक्सीनेशन के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिल्ली की जनता नगर निगमों की सत्ता में बदलाव चाहती है : आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली । नगर निगमों के भ्रष्टाचार की पोल खोलने की मुहिम के तहत आम आदमी पार्टी द्वारा शुरू किए गए दिल्ली में मोहल्ला सभाओं के अभियान का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। अभियान के चौथे दिन आप ने दिल्ली के 65 अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 450 मोहल्ला सभाओं का आयोजन किया। आम आदमी पार्टी के मुताबिक शुक्रवार को मोहल्ला सभा में करीब 20 हजार लोग, शनिवार को 27 हजार और रविवार को करीब 45 हजार लोग शामिल हुए हैं।

आम आदमी पार्टी की ओर से नगर निगम प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि मोहल्ला सभाओं में लोगों की संख्या बढ़ने से सिद्ध हो गया है कि दिल्ली की जनता भाजपा शासित निगम के भ्रष्टाचार से पूरी तरह से त्रस्त हो चुकी है। जनता निगम में एक बड़ा बदलाव चाहती है।

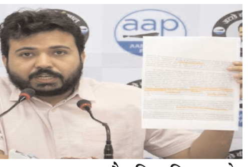

मोहल्ला सभाओं में आई दिल्ली की जनता का कहना है कि निगम के पास सभी साधन हैं, लेकिन इच्छाशक्ति नहीं है। दिल्ली की जनता निगम की सत्ता में साफ चरित्र वाली ईमानदार सरकार चाहती है। इसलिए नगर निगमों में आम आदमी पार्टी जरूरी है। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी ने 7 जनवरी 2021 से दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में मोहल्ला सभाओं के माध्यम से भाजपा शासित नगर निगम के भ्रष्टाचारों पर चर्चा करने का सिलसिला शुरू किया है। इन मोहल्ला सभाओं में आम आदमी पार्टी के स्थानीय विधायक, आम आदमी पार्टी के स्थानीय निगम पार्षद, संगठन पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मोहल्ला सभाओं का आयोजन करते हैं।

चिल्ला और गाजीपुर बॉर्डर बंद, यूपी से दिल्ली आने के लिए इन रास्तों का करें इस्तेमाल

नई दिल्ली । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर सिंघु बॉर्डर पर चल रहा पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के किसानों का आंदोलन सोमवार को 47वें दिन में प्रवेश कर गया है। इस बीच सिंघु के साथ टीकरी, यूपी गेट समेत दिल्ली-एनसीआर के आधा दर्जन बॉर्डर पर किसान प्रदर्शनकारी डटे हुए हैं, उनकी एक ही मांग है कि तीनों केंद्रीय कृषि कानून वापस लिए जाएं। वहीं, किसानों के प्रदर्शन के चलते चिल्ला बॉर्डर के साथ गाजीपुर बॉर्डर को भी आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। इससे गाजियाबाद और नोएडा से दिल्ली आ रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में तो सोमवार सुबह से ही जाम लगना शुरू हो गया है। किसानों के प्रदर्शन के चलते दिल्ली यातायात पुलिस ने चिल्ला और गाजीपुर बॉर्डर बंद होने के चलते वैकल्पिक रास्तों का अपनाने की सलाह दी है। इसके मुताबिक, उत्तर प्रदेश से दिल्ली आ रहे वाहन चालक आनंद विहार, डीएनडी, भोपुरा और लोनी बॉर्डर के रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूपी गेट किसान आंदोलन स्थल पर दंगल का आयोजन किया गया। चौ. नरेश टिकैत ने कहा कि यहां दंगल का आयोजन कराकर हमने सरकार को कुश्ती दिखाई है। सरकार अपनी हठधर्मिता और जिद्दी वाला रवैया छोड़ दे। वह यहां दंगल में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे।

वहीं, तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार और प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के बीच चल रहे गतिरोध के बीच सोमवार को सबकी निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं। कोर्ट में तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई होनी है। बताया जा रहा है कि दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसानों को हटाने की मांग वाली याचिका पर भी सुनवाई होगी।

नई दिल्ली में बर्ड फ्लू के मामलों की रिपोर्ट के बाद एक बागवानी टीम के सदस्य दवा के लिए संजय झील में गीसे इक्कट्ठा करते हुए।

संपादकीय

वैक्सीन के साथ साल का स्वागत

हम साल 2021 में कोविड-19 से निजात पाने के लिए टीकाकरण की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। दस से ज्यादा देशों में टीकाकरण की शुरुआत भी हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी साल बीतते-बीतते वैक्सीन को स्वास्थ्य आपातकाल के आधार पर अनुमति दे दी है। दुनिया को इस पल का इंतजार था। विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली मंजूरी के बाद भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में टीकाकरण अभियान में तेजी आ जाएगी। अब दुनिया में कहीं भी जरूरत पड़ने पर वैक्सीन कोवीशील्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में भी ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका की कोवीशील्ड और कोवैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी लगभग तय हो गई है। भारत में और भी वैक्सीन को मंजूरी मिल सकती है, वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां अपने-अपने ढंग से अपने टीके को कारगर साबित करने में लगी हैं। इन दिनों दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ भारत में भी टीकाकरण कार्यक्रम की पूरी तैयारी हो रही है। देशव्यापी पूर्वाभ्यास चल रहा है। यह टीकाकरण की सभी व्यवस्थाओं के प्रबंधन का पूर्वाभ्यास है। भारत वैक्सीन निर्माताओं के साथ निरंतर संपर्क में है। वैक्सीन बन चुकी है। अपने परीक्षण के प्रारंभिक तीन चरण पूरे कर चुकी है, जिनकेआधार पर विशेषज्ञ स्तर से आपातकालीन मंजूरी मिलनी तय है। वैसे अभी भी कुछ विवरण, जैसे कीमत, खुराक इत्यादि बहुत स्पष्ट नहीं हो सके हैं। भारत सरकार लगातार वैक्सीन अपडेट पर अपनी नजर और संपर्क बनाए हुए है। वैक्सीन ऐसा विषय है, जिसमें तमाम सरकारों को दुनिया भर में चल रहे वैज्ञानिक प्रयासों से जुड़ना होगा। वैक्सीन की गुणवत्ता में विशेष रूप से निगाह रखने की जरूरत रहेगी। भारत में वैक्सीन की पूरी हलचल है। पूर्वाभ्यास के जरिए 96,000 के करीब वैक्सीनेटरों को प्रशिक्षित किया गया है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण द्वारा 2,360 प्रशिक्षक तैयार किए गए हैं। देश भर के 719 जिलों में जिला-स्तरीय प्रशिक्षण में 57,000 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है। वैक्सीन और सॉफ्टवेयर संबंधित प्रश्नों के लिए राज्य हेल्पलाइन नंबर 104 लाने की तैयारी चल रही है। यह हेल्पलाइन नंबर 1075 के अतिरिक्त होगा। जब टीकाकरण अभियान आगे बढ़ेगा, तब निचले स्तर पर लोगों को जोड़ने के लिए और भी सुविधाएं देने की जरूरत पड़ेगी।

सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के तमाम प्रयासों के बावजूद कोरोना वैक्सीन की चुनौतियां अभी भी कम नहीं हैं। वैक्सीन में भ्रष्टाचार की अटकलों से भारत भी अछूता नहीं है। स्वास्थ्य आपातकाल की इस परिस्थिति में सफल वैक्सीन बाजार में आने वाली है। इसके बाद यह सुनिश्चित करना है कि सही लोगों को सही समय पर सही वैक्सीन मिले, यह एक बड़ी चुनौती है। हम सब जानते हैं, भारत में यह एक बहुत बड़ा काम होगा। वैक्सीनेशन की सुविधा का समान रूप से राष्ट्रीय स्तर पर वितरण हो, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रारूप तैयार किया गया है। अभी तक भारत में अधिकांश राष्ट्रीय टीका वितरण प्रणाली का प्रारूप बच्चों के पूर्ण टीकाकरण के उद्देश्य से ही रहा है। अभी तक इतने बड़े पैमाने पर वयस्क टीकाकरण के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं है, तो यह भी एक नई चुनौती होगी। भारत में खासकर स्वास्थ्य प्रशासन के लिए यह परीक्षा की घड़ी होगी।

प्रशासन में विभिन्न स्तर पर कोरोना वायरस प्रतिरोधी टीकाकरण अभियान की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इस महामारी के संक्रमण की गति और प्रभाव में बड़ा अंतर देखने को मिला है। इस आधार पर टीकाकरण को लेकर लोगों में वैक्सीन की जरूरत और उसके असर की विश्वसनीयता को लेकर संशय है। जनता के बीच वैक्सीन की मांग और स्वीकार्यता को लेकर सोच-समझ में भारी अंतर है। कई तरह की अफवाहें और फर्जीवाड़े भी लोगों के विचार पर असर डाल रहे हैं। वैक्सीन के रखरखाव और उसे प्रभावी बनाए रखने की व्यवस्था को लेकर भी नकारात्मक चर्चाओं से लोगों में असमंजस की स्थिति बनी है। प्रशासन को लोगों के बीच ज्यादा मुस्तैदी के साथ जागरूकता के लिए काम करना पड़ सकता है। लोगों को वैक्सीन के लिए तैयार करने में मुश्किल आ सकती है। यह अच्छी बात है कि लोग वैक्सीन की चर्चा कर रहे हैं। जगह-जगह कोल्ड चेन सिस्टम, कोल्ड स्टोरेज को आखिरी स्वरूप दिया जा रहा है। सिरिंज, बिजली व्यवस्था, सोलर पावर कोल्ड स्टोरेज को भी बेहतर करने पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इन तैयारियों से भी देश में वैक्सीन के प्रति स्वीकार का भाव बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में देशवासियों को आश्वस्त किया है कि हमारे लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण है, जितनी भी वैक्सीन भारत अपने नागरिकों को देगा, वे सभी वैज्ञानिक मानकों पर सुरक्षित होंगी। उधर, अमेरिका में पहले ही कोविड-19 टीकाकरण शुरू कर दिया गया है। इजरायल में अभी तक सात प्रतिशत नागरिकों को टीका लगाया जा चुका है। बेंजामिन नेतन्याहू ने भी वैक्सीन लगवाई है और लोगों को जागरूक और प्रेरित करने के लिए उनके टीकाकरण का सीधा प्रसारण किया गया है। दुनिया में बड़े-बड़े नेता आगे आकर टीका लगवा रहे हैं, ताकि अन्य लोगों को प्रेरणा मिले। भारत में भी इसकी जरूरत पड़ सकती है। अमेरिका के अलावा स्विट्जरलैंड, इजरायल, मलेशिया, ब्रिटेन, बहरीन, कनाडा, मैक्सिको, रूस और चीन में भी टीकाकरण चल रहा है।

कई देशों में अनेक टीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं, लेकिन उनका सभी मानव समूहों पर समग्र प्रभाव परखना अभी बाकी है। टीका व्यक्ति के बीमार पड़ने और उसे फिर अस्पताल में भर्ती होने के खतरे से बचाएगा, लेकिन यह भी संभव है कि वैक्सीन लिया हुआ व्यक्ति वायरस का वाहक हो, वह दूसरों के लिए संक्रामक हो सकता है। इसलिए टीकाकरण के बाद भी लोगों को मास्क पहनने के साथ-साथ शारीरिक दूरी बनाए रखने जैसे एहतियात बरतने होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी यह कहना है कि टीका संक्रमण को रोककर वायरस के प्रसार को रोक सकता है, लेकिन अभी और प्रमाण की जरूरत है। साथ ही, टीकाकरण से हर्ड इम्यूनिटी प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को वैक्सीन लगाने की जरूरत पड़ सकती है और इसमें समय लगेगा।

प्रवीण कुमार सिंह

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों का राजनीतिक अवसरवाद; नए कृषि कानून को कुतर्कों से खारिज करने की कर रहे कोशिश

कृषि मल्टीब्रांड रिटेल में विदेशी कंपनियों को खुला आमंत्रण देने की इच्छा रखने वाले दोनों अर्थशास्त्री अब नेता हो गए हैं। ठीक वैसे ही जैसे विद्वान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री की कुर्सी मिलने के बाद अपने ही अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को तिलांजलि दे दी और आर्थिक सुधारों पर सोनिया गांधी के राजनीतिक समाजवाद को हावी होने दिया। दरअसल कौशिक बसु कह रहे हैं कि छोटे किसानों को बेहतर फसल की तरफ जाने के लिए आर्थिक मदद दी जानी चाहिए, किसानों की ऐसी मार्केटिंग समितियां बनानी चाहिए, जिससे किसान बेहतर भाव पा सकें, प्रशिक्षण मिले ताकि किसान मार्केटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें, समय से उन्हें कर्ज मिल सके।

मनमोहन सिंह लगातार 10 वर्षों तक देश के प्रधानमंत्री रहे, लेकिन आज भी जब उनकी चर्चा होती है तो पहली छवि प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की कैबिनेट में वित्त मंत्री के तौर पर उनके आर्थिक सुधारों की ही सामने आ जाती है। दरअसल ऑक्सफोर्ड से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट डिग्री प्राप्त करने वाले डॉ. मनमोहन सिंह को सरकार के साथ जोड़ने वाले थे तत्कालीन मिनिस्टर ऑफ फॉरेन ट्रेड ललित नारायण मिश्र। अब मिनिस्टर ऑफ फॉरेन ट्रेड को वाणिज्य मंत्री (कॉमर्स मिनिस्टर) के नाम से जाना जाता है।

आज के वाणिज्य मंत्रालय में डॉ. मनमोहन सिंह को बिहार के दिग्गज कांग्रेसी नेता ललित नारायण मिश्र ने वर्ष 1970 के आसपास सलाहकार के तौर पर जोड़ा था। कहा जाता है कि ललित नारायण मिश्र और डॉ. मनमोहन सिंह की मुलाकात भारत से अमेरिका की उड़ान में हुई थी और इसी छोटी सी मुलाकात में ललित नारायण मिश्र, डॉ. मनमोहन सिंह के आर्थिक ज्ञान से बेहद प्रभावित हुए। उसके बाद डॉ. मनमोहन सिंह लगातार कांग्रेस की सरकार में महत्वपूर्ण आर्थिक जिम्मेदारियां संभालते रहे। वर्ष 1972-76 तक मनमोहन सिंह मुख्य आर्थिक सलाहकार और 1982-85 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे और 1985-87 में नीति आयोग प्रमुख रहे, लेकिन अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को सबसे बड़ी पहचान मिलना अभी शेष था और भले ही 2004-2014 तक मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री रहे, लेकिन भारत के साथ संपूर्ण विश्व उनको सर्वश्रेष्ठ भूमिका में 1991 की पीवी नरसिंह राव की सरकार में वित्त मंत्री के तौर पर ही देखता है।

पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव के निर्देशन में वित्त मंत्री रहते मनमोहन सिंह के किए सुधारों ने भारत को उस समय के आर्थिक संकट से तो उबारा

ही था, भारत की अर्थव्यवस्था की पूरी दिशा भी उन्होंने बदल दी थी और जिस भारत में आम लोगों के सपने तेजी से पूरा करने की ताकत दिखती है, उसकी बुनियाद तब के प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के वित्त मंत्री रहते मनमोहन सिंह ने ही रखी थी। लेकिन अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को जैसे ही राजनीति करने का संयोगवश अवसर मिला तो दुर्भाग्य से उन्होंने सबसे पहले अर्थशास्त्र के साथ ही इसकी शुरुआत की।

डॉ. मनमोहन सिंह ने सबसे पहली राजनीति यही की कि जिन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने उन्हें वित्त मंत्री के तौर पर देश के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों को करने का अवसर दिया, उन राव साहब के महत्वपूर्ण योगदान को मनमोहन सिंह सार्वजनिक तौर पर स्वीकारने से हमेशा बचते रहे। इस वजह से सोनिया गांधी के गांधी परिवार वाली कांग्रेसी हुकूमत में वह नंबर एक के नवरत्न हो गए। हालांकि कांग्रेस तेलंगाना इकाई के एक कार्यक्रम में मनमोहन सिंह ने सार्वजनिक तौर पर स्वीकारा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की ही वजह से 1991 के कड़े आर्थिक सुधार हो पाए, लेकिन नरसिंह राव की जन्म शताब्दी समारोह के उद्घाटन के अवसर पर भी मनमोहन सिंह सोनिया गांधी के प्रति ज्यादा निष्ठा दिखाने का अवसर छोड़ नहीं सके और कहा कि नरसिंह राव, राजीव गांधी की ही तरह गरीबों की बहुत चिंता करते थे।

अब जब देश के गरीब किसानों को उनकी उपज की बेहतर कीमत देने के लिए और सरकारी जंजाल से निकलने के लिए मोदी सरकार तीन कृषि कानून लेकर आई है, तो मनमोहन सिंह यह पूरी तरह से भूल गए हैं कि वह मूलतः अर्थशास्त्री ही हैं और देश अभी भी उन्हें देश का प्रधानमंत्री होने से बहुत ज्यादा सम्मान देश का वित्त मंत्री होने के नाते देता है। वैसे तो भारत का प्रधानमंत्री बनने के पहले के अपने ही किसी भी बयान को मनमोहन सिंह ध्यान कर लें तो शायद ही तीनों कृषि कानूनों का विरोध कर पाएंगे, लेकिन इसी वर्ष जुलाई में नरसिंह राव के जन्म शताब्दी कार्यक्रम के उद्घाटन में फ्रांसीसी कवि और उपन्यासकार विक्टर ह्यूगो के हवाले से उन्होंने कहा था, जिस विचार का समय आ गया हो, दुनिया की कोई भी ताकत उसे रोक नहीं सकती। वर्ष 1991 में देश के आर्थिक सुधारों की ही तरह 2020 में कृषि कानूनों के लिए भी यही कहा जा सकता है कि जिस विचार का समय आ गया हो, उसे दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। मनमोहन सिंह की ही तरह मुख्य आर्थिक सलाहकार के तौर पर काम कर चुके कौशिक बसु और रघुराम राजन ने भी अर्थशास्त्र की समझ पर राजनीतिक लोभ को हावी होने दिया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2011-12 के लेखक और तत्कालीन मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने कहा था कि किसी किसान को एपीएमसी मंडी के बाहर बेहतर कीमत मिल रही है तो उसे उसकी इजाजत होनी चाहिए। कौशिक बसु ने मुख्य आर्थिक सलाहकार के तौर पर उपज के आयात का भी सुझाव दिया था। और यही सुझाव 2012-13 के आर्थिक सर्वेक्षण में रघुराम राजन ने भी आगे बढ़ाया। थोक उपज प्रसंस्करण, बुनियादी ढांचे और खुदरा कारोबार के बीच एकरूपता, जुड़ाव होना चाहिए और ऐसा बाजार तैयार करने के लिए निजी क्षेत्र को मंजूरी दी जानी चाहिए।

कृषि मल्टीब्रांड रिटेल में विदेशी कंपनियों को खुला आमंत्रण देने की इच्छा रखने वाले दोनों अर्थशास्त्री अब नेता हो गए हैं। ठीक वैसे ही जैसे विद्वान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री की कुर्सी मिलने के बाद अपने ही अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को तिलांजलि दे दी और आर्थिक सुधारों पर सोनिया गांधी के राजनीतिक समाजवाद को हावी होने दिया। दरअसल कौशिक बसु कह रहे हैं कि छोटे किसानों को बेहतर फसल की तरफ जाने के लिए आर्थिक मदद दी जानी चाहिए, किसानों की ऐसी मार्केटिंग समितियां बनानी चाहिए, जिससे किसान बेहतर भाव पा सकें, प्रशिक्षण मिले ताकि किसान मार्केटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें, समय से उन्हें कर्ज मिल सके। कमाल की बात है कि यही सबकुछ करने के लिए ही तीनों कृषि कानूनों को लागू किया जा रहा है। बसु दलील दे रहे हैं कि विश्व भर में किसानों को सब्सिडी सरकार देती है और बिना कोई ऐसा ही तंत्र तैयार किए इस एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य की सब्सिडी को खत्म करने से भारतीय किसानों की स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है। जबकि सच्चाई यह है कि भारत में भी सब्सिडी खत्म नहीं हो रही है।

अर्थशास्त्री से यह उम्मीद की जाती है कि बिना किसी राजनीतिक, लोकलुभावन दबाव के तर्क और तथ्य के आधार पर लोककल्याण के लिए सुझाव देगा, लेकिन दुर्भाग्यवश राजनीतिक अवसरवाद के शिकार होकर डॉ. मनमोहन सिंह, कौशिक बसु और रघुराम राजन जैसे बड़े आर्थिक विद्वान अर्थव्यवस्था और किसान के भले के कानून को कुतर्कों से खारिज करने की कोशिश कर रहे हैं।

लोकतंत्र में ट्रंप

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के साफ नतीजों के बावजूद सत्ता हस्तांतरण होने तक इतना कुछ हो जाएगा, शायद ही किसी ने सोचा हो। चुनावों में धांधली के आरोप लगाते हुए नतीजों को हर संभव मंच पर चुनौती देने के बावजूद निवर्तमान राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कहीं भी किसी गड़बड़ी का सबूत नहीं दे सके। आखिरकार हर जगह से नतीजों की पुष्टि होने के बाद 6 जनवरी को संसद के दोनों सदनों ने जो बाइडन और कमला हैरिस की जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया। मगर इस औपचारिकता के बीच जिस तरह ट्रंप के समर्थक संसद में घुस आए और उत्पात की हदें पार करते हुए कई लोगों की मौत का सबब बन गए, वह अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास में एक शर्मनाक अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। इसके लिए खुद ट्रंप को जिम्मेदार बताना भी गलत नहीं है। जिस तरह उन्होंने संसद में हो रही चर्चा के दौरान रैली रखी, अपने समर्थकों से बड़ी संख्या में राजधानी पहुंचने की अपील की और रैली के दौरान मंच से उनको भड़काने की कोशिश की, वह सब असामान्य है। सबसे बड़ी बात यह कि अमेरिकी संसद की सुरक्षा %ब्लैक लाइव्स मैटर% वाले प्रदर्शन की तरह सेना को सौंपने के बजाय पुलिस के हवाले छोड़ दी गई, जिसे उपद्रवियों ने चुटकियों में बिखेर दिया। बहरहाल, सदी की इस सबसे बड़ी लोकतंत्र विरोधी गतिविधि का जिम्मा सिर्फ एक व्यक्ति पर डालना काफी नहीं है। यह भी देखना होगा कि ट्रंप को यह सब कर गुजरने की ताकत कहां से हासिल हुई। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके फैसलों की आलोचना होती रही और ऐन चुनावी साल में कोरोना ने अमेरिका में जो तबाही मचाई, उसे भी ट्रंप सरकार की नाकामी समझा गया। इसके बावजूद राष्ट्रपति चुनाव का स्वरूप कांटे की टक्कर वाला रहा। यहां तक कि चुनाव नतीजे आने के बाद जब ट्रंप की विदाई तय हो गई, तब भी न केवल उनके कहने पर हजारों लोग राजधानी में कुछ भी कर गुजरने का मन बनाकर इकट्ठा हुए बल्कि इसके एक दिन पहले उनके समर्थकों ने जॉर्जिया के सीनेट इलेक्शन में आम चुनाव से ज्यादा वोट डाले। इस जन-सक्रियता को एक सनकी नेता की ऊलजलूल हरकतों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। निश्चित रूप से अमेरिकी लोकतंत्र का एक गहरा संकट ट्रंप के रूप में जाहिर हुआ है। कुछ महीने पहले अश्वेत असंतोष के विस्फोट में दुनिया ने अमेरिकी समाज की बेचैनी का एक पहलू देखा था। नए साल के पहले हफ्ते में इसी सिक्के का दूसरा पहलू श्वेत प्रतिक्रिया की शक्ल में नजर आया है। लेकिन अमेरिकी समाज की असुरक्षा का हल खोजने के लिए वहां की सत्ता को इन लक्षणों का नहीं, बीमारी का इलाज करना होगा। इतना तय है कि एक दशक के अंदर मंदी और महामारी के दोहरे संकट से गुजरे अमेरिकी लोकतंत्र की मुश्किलों का कोई न कोई तार दुनिया के हर सिस्टम से जुड़ा है।

विकसित देश कर रहे वैक्सीन पर एकाधिकार का प्रयास, मानवता नहीं सिर्फ मुनाफे की सोच रहे अमीर देश

सभी को आसानी से वैक्सीन मुहैया कराना भारत जैसे विशाल भूभाग और आबादी वाले देश के लिए एक बड़ी चुनौती है। असल में दुनियाभर में बेची जाने वाली वैक्सीन का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ भारत में तैयार किया जाता है। भारत का फार्मा सेक्टर करीब 2.9 लाख करोड़ रुपये का है। पिछले दिनों भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत ने भारत में वैक्सीन बना रही कंपनियों का दौरा किया था। उन्होंने कहा था कि सिर्फ भारत के पास ही दुनिया की जरूरतों को पूरी करने लायक वैक्सीन तैयार करने की क्षमता है। दुनिया के दूसरे देशों के राजनयिकों ने भी यह बात कही है।

अमीर देश कोरोना की दवा या वैक्सीन पर अपने बौद्धिक संपदा अधिकार नहीं छोड़ना चाहते। इससे उन्हें कोई मतलब नहीं कि मानवता को कोरोना लील रहा है। उन्हें केवल अपने मुनाफे से मतलब है। न्यूज एजेंसी रायटर के मुताबिक एक मीटिंग में अमीर देशों, खासकर यूरोपीय यूनियन और अमेरिका ने बौद्धिक संपदा अधिकार छोड़ने के प्रस्ताव का विरोध किया। अगर उनका ये रुख जारी रहता है तो यह मुद्दा विश्व व्यापार संगठन में उभर सकता है। एकाधिकारों में ढील के पैरोकारों का कहना है कि अगर अमीर देश नहीं माने तो यह कोरोना से जंग की राह में बड़ा रोड़ा साबित हो सकता है। इनकी दलील है कि जैसे एड्स के मामले में अधिकार छोड़े गए, वैसे ही कोरोना के मामले में भी छोड़ने चाहिए। इनका आरोप है कि ये देश लोगों की जिंदगी से ज्यादा अपने मुनाफे पर ध्यान दे रहे हैं।

अधिकारों में छूट का प्रस्ताव सबसे पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने किया था। पांच कोरोना वैक्सीन पर शोध का दावा करने वाले चीन ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया है। दरअसल जिन देशों में सबसे पहले वैक्सीन बनने की उम्मीद है, उनमें से ज्यादातर अमीर देश हैं। किसी आविष्कार पर आम तौर पर इस तरह के अधिकारों का दावा किया जाता है। इसमें होता यह है कि आविष्कारक को एक तय समय तक उस चीज के इस्तेमाल के एक्सक्लूसिव राइट्स मिलते हैं।

दुनिया अब सही मायने में एक वैश्विक गांव है। चीन में कोई वायरस हमला करेगा, तो अमेरिका में भी लोग मारे जाएंगे। जैसे इंसानों का दुनिया के एक छोर से दूसरे छोर तक जाना आसान और तेज हुआ है, उसी तरह किसी भी अच्छी और बुरी चीज का एक से दूसरी जगह पहुंचना चंद घंटों की बात है। लेकिन वैश्विक नेता इसे समझ नहीं पाते। मसलन चीन ने अपनी इमेज बचाने के लिए कोरोना के प्रकोप के बारे में बताने में देरी की, जिसका दुष्परिणाम आज दुनिया भुगत रही है। चीन का भी कूटनीतिक से लेकर आर्थिक मोर्चे पर कम नुकसान नहीं हुआ। मामला दबाने की उसकी गलती आत्मघाती साबित हुई। अमेरिका ने ट्रंप के नेतृत्व में इस महासंकट में महाशक्ति की भूमिका निभाने के बजाय अपनी ऊर्जा चीन को गलत ठहराने में लगाई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के संसाधन रोके। इतना ही नहीं, कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों का रवैया भी वैक्सीन में मुनाफा कमाने की ओर ज्यादा प्रतीत हो रहा है।

यह अमीर देशों का दृष्टिदोष ही है कि वो सोचते हैं कि एक्सक्लूसिव राइट्स के चलते वो अपने देश के नागरिकों को पहले वैक्सीन मुहैया कराकर वाहवाही लूट लेंगे। अपने देश की कंपनियों को मुनाफा दिलवाएंगे। लेकिन इस वायरस पर वह पुराना विज्ञापन सटीक बैठता है- एक भी बच्चा छूटा तो सुरक्षा चक्र टूटा। जितना कोरोना का वायरस लोगों को मार रहा है, उतना ही कोरोना के कारण आई आर्थिक तबाही भी खतरनाक है।

अब ज्यादा से ज्यादा देशों के लिए कारोबार और व्यापार रोकना मुश्किल हो रहा है। आप वैक्सीन नहीं देंगे, लेकिन व्यापार जारी रखेंगे। यह वक्त मुनाफे और स्वार्थी होने का नहीं, बड़ा दिल रखने का है। उस लोक के लिए नहीं, इसी लोक के लिए, कल के लिए नहीं, आज के लिए।

ई-गवर्नेस का सशक्त प्रारूप, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से मिलेगी देश को ताकत

सरकार की आम नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराना ई-गवर्नेंस कहलाता है और इसी ई-गवर्नेंस का उप-डोमेन मोबाइल गवर्नेंस है जो सभी की जेब में आसानी से उपलब्ध है। स्पष्ट है कि इससे लोक सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा, भ्रष्टाचार कम होगा और जन सामान्य के जीवन में सुधार आएगा। जीडीपी में वृद्धि होगी और सरकारी कार्यो को गति मिलेगी। पीडीओ के माध्यम से लोगों को रोजगार मिलेगा और कौशल विकास की दिशा में भी एक कदम उठेगा। आत्मनिर्भर भारत को भी फायदा देगा।

आजकल एक नई आवाज सुनाई दे रही है जो डिजिटल इंडिया रिवॉल्यूशन के बाद वाइ-फाइ रिवॉल्यूशन के रूप में है। दरअसल पीएम-वाणी के रूप में इस योजना का आरंभ किया गया है जो एक ऑनलाइन सुविधा है, जिसके अंतर्गत पूरे भारत में सार्वजनिक डाटा केंद्र खोले जाएंगे। इसके जरिये वाइ-फाइ सेवा की शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री वाइ-फाइ एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) हेतु कोई भी लाइसेंस शुल्क या पंजीकरण नहीं होगा। यह योजना ई-गवर्नेंस और फिर मोबाइल गवर्नेंस (एम-गवर्नेंस) की दिशा में एक अनूठा कदम होगा। इस योजना से छोटे दुकानदारों को भी लाभ होगा। इससे उनकी आय में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। इसके माध्यम से लगातार इंटरनेट कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत में 2006 में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना आई थी और 2015 में डिजिटल इंडिया का आह्वान किया गया। अब पीएम वाणी की शुरुआत कई लिहाज से सरकार और आम आदमी के बीच एक बेहतर आदान-प्रदान का जरिया बनेगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर वाइ-फाइ की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके अलावा व्यापार करना आसान होगा, जीवन शैली में सुधार और नागरिक इंटरनेट सुविधा के लाभ सहित कई संदर्भ निहित हैं। देश में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या अभी भी बहुतायत में है। मौजूदा समय में करीब 130 करोड़ की जनसंख्या की तुलना में लगभग 116 करोड़ मोबाइल फोन हैं, जबकि इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा आधी जनसंख्या तक ही है। हालांकि 2025 तक 90 करोड़ लोगों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचा दी जाएगी। फ्री वाइ-फाइ योजना इस दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

वर्तमान युग सूचना क्रांति का है और मौजूदा समय कोरोना की भीषण तबाही का है। कोरोना के आरंभिक काल में जब सब कुछ बंद हो गया था, संचार और उसके माध्यम से तमाम क्रियाकलाप जारी थे, क्योंकि सभी के पास सूचना तकनीक की पहुंच थी। जहां यह नहीं था, वहां अवसाद और खालीपन जगह घेरे हुए था। जाहिर है, वाइ-फाइ होने से सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ेगा, सरकार की नीतियों की सभी तक पहुंच होगी, इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियां तेज होंगी और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी आसान हो जाएगी।

सृष्टि और दृष्टि दोनों वक्त के साथ बदलते रहे हैं। कोई भी तकनीक या देश एक ही डिजाइन में नहीं चल सकता। पड़ताल बताती है कि भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक विभाग की स्थापना 1970 में की थी, जबकि 1977 में नेशनल इंफॉरमेटिक्स सेंटर की स्थापना की गई, जो ई-शासन की दिशा में पहला कदम था। बीती सदी के आखिरी दशक में कंप्यूटर क्रांति आई। उदारीकरण के बाद तो पूरा ताना-बाना ही बदल गया और मौजूदा समय में तो पब्लिक डाटा ऑफिस (पीडीओ) का होने जा रहा है जो पीसीओ की तर्ज पर खुलेगा। इसका रजिस्ट्रेशन बीते नौ दिसंबर से शुरूहै जो डिजिटल इंडिया को एक नई ऊंचाई दे सकता है और सूचना क्रांति को नया मुकाम। सरकार की ओर से डाटा ऑफिस, डाटा एग्रीगेटर सिस्टम आदि के लिए सात दिनों में सेंटर खोलने की इजाजत दी जाएगी।

इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉडबैंड का विस्तार करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक वाइ-फाइ की रूपरेखा को मंजूरी देने का काम किया है। भारत के ढाई लाख पंचायत और करीब साढ़े छह लाख गांव हैं, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी की पहुंच को पुख्ता बनाना है। जाहिर है, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की दृष्टि से पीएम-वाणी एक क्रांति ला सकती है। किसान को सीधे इंटरनेट से कनेक्टिविटी मिलेगी जिसके चलते उन्हें बीज और खाद की जानकारी के अलावा फसल की बिकवाली में भी सीधे जुड़ने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं, पहले से जारी ई-छात्रवृत्ति, ई-अदालत, ई-वीजा सहित ई-मंडी और ई-नाम आदि को कुशलता से संचालन करने में भी मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि समावेशी विकास और तकनीक का जो संबंध बरसों से अछूता रहा है, उसको भी भरपूर ताकत यह योजना दे सकती है। साथ ही सतत विकास की दिशा में भी यह फायदेमंद सिद्ध होगा। हालांकि भारत में एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो मुफ्त वाइ-फाइ वाली पीएम-वाणी की इस योजना के बावजूद इसका उपयोग शायद ही कर पाए, क्योंकि इसके लिए मोबाइल उपकरण अभी भी उसकी पहुंच से दूर है और इसके पीछे बड़ा कारण आर्थिकी है। वैसे देखा जाए तो पीएम-वाणी ई-गवर्नेंस और एम-गवर्नेंस को आने वाले दिनों में एक बड़ी ताकत देगा। जहां दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ ऑनलाइन सुविधा में तेजी आएगी। शिकायतों का निपटान भी त्वरित हो सकेगा।

सरकार की आम नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराना ई-गवर्नेंस कहलाता है और इसी ई-गवर्नेंस का उप-डोमेन मोबाइल गवर्नेंस है जो सभी की जेब में आसानी से उपलब्ध है। स्पष्ट है कि इससे लोक सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा, भ्रष्टाचार कम होगा और जन सामान्य के जीवन में सुधार आएगा। जीडीपी में वृद्धि होगी और सरकारी कार्यो को गति मिलेगी। पीडीओ के माध्यम से लोगों को रोजगार मिलेगा और कौशल विकास की दिशा में भी एक कदम उठेगा। आत्मनिर्भर भारत को भी फायदा देगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

राजस्थान में ठंड को लेकर येलो अलर्ट जारी

जयपुर । राजस्थान में मौसम विभाग ने सोमवार को ठंड को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बनी रही, जबकि न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। चूरू में रविवार रात 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गंगानगर में 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछली रात के मुकाबले क्रमश~ तीन और चार डिग्री कम था। इसी तरह, रविवार रात का न्यूनतम तापमान पिलानी में 3.9 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 4 डिग्री सेल्सियस, बाड़मेर और एरन रोड में 5 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर में 5.4 डिग्री सेल्सियस, फलोदी में 6.8 डिग्री सेल्सियस और जोधपुर में 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 16 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। डभोक में उच्चतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस और चूरू में 16 डिग्री और गंगानगर में 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। जयपुर में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए झुंझुनू, सीकर, अलवर, भरतपुर, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, नागौर और पाली में शीत लहर के लिए एक येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग गंभीर या खतरनाक मौसम से पहले लोगों को सचेत करने के लिए रंग-कोडित चेतावनी जारी करता है। प्रदेश में सुबह और शाम घने कोहरे की वजह से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे की वजह से प्रदेश में हादसों में भी इजाफा हुआ है।

हादसों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य चोटिल भी हो चुके हैं। गौरतलब है कि दिसंबर, 2020 में भीषण सर्दी की वजह से कई जिलों में पारा जमाव बिंदु के करीब पहुंच गया था।

चार मृत बच्चों के बाद पांचवें बच्चे की भी जलने से मौत, भानारकर दंपति की दुख भरी कहानी

मुंबई । महाराष्ट्र के भंडारा जिले के सरकारी अस्पताल में आग लगने से दस बच्चों की मौत के इस असहनीय दर्द भूल पाना उन पीड़ित परिवारों के लिए असंभव है जिन्होंनें अपने कलेजे के टुकड़ों को अभी जी भर कर देखा भी नहीं था। इस दर्दनाक घटना में अपनी बच्ची को खो चुके एक पिता ने अपन दुख साझा किया पीड़ित दंपति हीरालाल और हिरकन्या भानारकर की शादी 14 साल पहले हुई थी। तब से दोनों अपने एक बच्चे का सपना देख रहे थे। हालांकि, चार बार गर्भवती होने के बावजूद हिरकन्या कभी जीवित बच्चे को जन्म नहीं दे सकी।

चार बच्चों की मौत का गम सहते हुए हिरकन्या 39 साल की उम्र में पांचवीं बार गर्भवती हुई। उन्होंने तय किया था कि इस साल कुछ भी करके उनके बच्चे को जीवित रहना होगा। हालत खराब होने पर हिरकन्या का निजी अस्पताल में इलाज किया गया, जो महंगी दवाएं ले रही थी।

बीती 6 जनवरी को, हिरकन्या ने साकोली उप-जिला अस्पताल में एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। पहली बार जीवित बच्चे को जन्म देने पर हर कोई खुश था। लेकिन जिस लड़की का जन्म हुआ उसका वजन मात्र 1 किलो था। परिणामस्वरूप उसे तुरंत भंडारा जिला अस्पताल में एसएनसीयू में भर्ती कराया गया।

वह दो दिनों तक वहां रही और 8वें की रात को हीराकन्या और हीरालाल की बेटी की आग में जलकर मौत हो गई। हीरालाल और हिरकन्या जिन्हें पिछले चार बुरे अनुभव थे, उन्होंने सपना में देखा था कि उनका बच्चा इस साल अपने घर पर हंसेगा और खेलेगा। हालांकि, उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली के अनाड़ी प्रबंधन के कारण सब कुछ खो दिया।

इस बार, हिरकन्या ने प्रसव के सातवें महीने में बच्ची को जन्म दिया था। गर्भवती होने के बाद उनके साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना भी हुई। हीराकन्या के घर में शौचालय नहीं था। कुछ दिनों पहले, शौच के लिए जाते समय गिर गई और उसके गर्भाशय में चोट आई। इसलिए उसे बच्ची को जल्दी जन्म देना पड़ा।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के भंडारा में शुक्रवार देर रात एक सरकारी जिला अस्पताल में आग लग गई थी जिसमें 10 नवजात बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस वार्ड में 17 बच्चे भर्ती थी जिनकी उम्र एक दिन से लेकर तीन माह तक बतायी गई थी। ये हादसा शुक्रवार देर रात 2 बजे हुआ था। वार्ड से धुआं उठता देख नर्स को हादसे की भनक लगी। नर्स दौड़कर वार्ड तक पहुंची लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दस बच्चे आग में झुलस चुके थे। बता दें कि अस्पताल के सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट में उन्हीं बच्चों को रखा जाता है जिनकी हालत काफी नाजुक होती है और जन्म के समय जिनका वजन बहुत कम होता है।

कार्यक्रम | कुशवाह समाज का ऑनलाइन युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

जूम एप के जरिये घर बैठे पसंद किए जीवन साथी

अब सामाजिक कार्यक्रम भी हो रहे हाईटेक

भोपाल,(एजेंसी)।

महामारी कोरोना ने सामाजिक दूरियां बढ़ाई तो हैं लेकिन लोगों ने उसके उपाय भी कर लिए हैं। भले ही हाथ न मिला पाएं लेकिन वर्चुअली रूबरू तो हो ही सकते हैं। बच्चों की पढ़ाई से लेकर कई काम ऑनलाइन हो रहे हो तो रिश्ते की बात भी ऑनलाइन क्यों न हो। ऐसा ही नजारा कुशवाहा समाज के ऑनलाइन युवक-युवती परिचय सम्मेलन में देखने को मिला। जब युवती-युवती एप के जरिये परिचय दे रहे थे और समाजजन घर बैठे ही रिश्ते की बात चला रहे थे।

रविवार को जिला भोपाल कुशवाह समाज का ऑनलाइन युवक. युवती परिचय सम्मेलन महाकाल मंदिर, कुंदन नमकीन के पास न्यू कबाड़खाना भोपाल में संपन्न हुआ । जिलाध्यक्ष प्रेमनाराण कुशवाहा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम मुख्य अथिति एवं वरिष्ठ समाज सेवियों द्वारा हवन कर आराध्य देव भगवान श्री लव कुश जी की पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया, जिसके उपरांत मुख्य आथितियों का स्वागत किया गया। साथ ही परिणय स्मारिका का विमोचन किया गया जिसमें 350 युवक युवतियों के बायोडाटा प्रकाशित किए गए हैं।

700 से ज्यादा युवक-युवती हुए रूबरू

जिला सचिव प्रशांत पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में जूम एप पर लगभग 700 से ज्यादा युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया जिसका लाइव टेलिकास्ट एलईडी स्क्रीन, यू ट्यूब एवं विभिन सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर किया गया जिसकी लाइव टेलिकास्ट पूरे देश-विदेश में रह रहे स्वजातीय बंधुओं ने अपने-अपने घर बैठे देखा।

पहली बार किया, लोगों ने सराहा

युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिनेश कुशवाहा ने बताया कि कुशवाहा समाज भोपाल द्वारा प्रथम बार ऑनलाइन परिचय सम्मेलन किया गया जो की उम्मीद से बढ़कर कर सफल रहा। सभी स्वजातीय बंधुओं ने ऑनलाइन परिचय सम्मेलन की काफी तरीफ़ की।

होते रहे ऐसे आयोजन: श्रीकांत

आयोजन में शामिल हुए प्रतिभागी श्रीकांत कुशवाहा ने बताया कि आज के हाइटेक जमाने में इस टाइप के ऑनलाइन कार्यक्रम समाज में होते रहना चाहिए जिससे समाज मे जागरूकता बढ़ेगी और घर बैठे लोग समाज की गतिविधियों में हिस्सा ले सके।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा, रमेश कुशवाहा, राजू कुशवाहा, सीताराम कुशवाहा, ज्ञानसिंह कुशवाहा, शिवशंकर कुशवाहा, मंटू कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, हंसराज कुशवाहा, लक्ष्मीनारायण कुशवाहा, रासबिहारी कुशवाहा, मदन कुशवाहा, रामप्रसाद, संजय कुशवाहा, श्रीकांत कुशवाहा, महेश कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, प्रशांत कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, शुभम, सचिन सहित बड़ी संख्या में स्वजतीय बन्धु एवं मातृशक्ति के रूप में समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं।

किसानों के लिए फायदेमंद नहीं है कृषि कानून: दिग्विजय सिंह

भोपाल,(एजेंसी)। देश मे लागू किए गए कृषि कानून पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाये गए कृषि कानून किसानों के लिए फायदेमंद नहीं है ये किसान विरोधी है बल्कि यह कानून प्रधानमंत्री अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पंहुचाने के लिए लाए हैं। इस कानून के लागू होने से किसानों के खेत पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली बन जाएंगे क्योंकि भाजपा पूंजीवादी व्यवस्था के पक्षधर है।

दिग्विजय सिंह जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा किसानों के सम्मान में कांग्रेस मैदान कृषि उपज मंडी समिति बैरसिया के सामने आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा ही उद्योगपतियों को फायदा पंहुचाया है इसके विपरीत कांग्रेस ने हमेशा किसानों गरीबों और पिछड़ों की आवाज उठाई है उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद किसानों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पूछा इस कानून को लेकर पक्ष में कौन है और विपक्ष में कौन है चारो तरफ से आवाज आई कि यह बिल किसान विरोधी बिल है इसे लागू नही होना चाहिए उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के गढ़ में ही किसान कृषि बिल का विरोध कर रहे है तो कैसे कहे कि पूरे देश के किसानों को सरकार के इस काले कानून बिल से फायदा पहुंचाने वाला है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीनों कृषि कानून अभी लागू भी नहीं हुए है उनके दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं जिसका ताजा उदारहण मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री कमल पटेल के क्षेत्र में ही देखने को मिल रहा है जहां एक व्यपारी नकली फर्म बनाकर सैकड़ों किसानों से पांच करोड़ से अधिक उपज खरीदकर उन्हें चूना लगाया ऐसे में सीएम, कृषि मंत्री पीड़ित किसानों को नए कानून से न्याय दिलाए तब जानेंगे कि सरकार का बिल किसान हित में है। उन्होंने कहा कि इस ठगी में खुद कृषि मंत्री कमल पटेल के भतीजे को 41 लाख की चपत लगी है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल प्रदेश कांग्रेस महासचिव अवनीश भार्गव राम भाई मैहर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जयश्रीहरिकरण प्रदेश महिला कांग्रेस सचिव राजकुमारी केवट जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव जिला ग्रामीण कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश दांगी ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कमर पटेल आदि ने भी केंद्र सरकार के कृषि कानून का विरोध करते हुए सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान एवं कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने किया धरना प्रदर्शन

पतंग बनाने वाले अब्दुल गफ्फूर अंसारी जयपुर के हांडीपुरा में मकर सक्रांति पर्व से पहले राजनेताओं की आदमकद पतंग बनाते हुए।

देवी सीता पर अपमानजनक टिप्पणी को लेकर तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ एफआइआर

कोलकाता । बंगाल में देवी सीता पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा अपमानजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। भाजपा ने तृणमूल सांसद के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है।

दरअसल एक वायरल वीडियो में कल्याण बनर्जी ये कहते हुए पाए गए कि, %सीता ने भगवान राम से कहा कि अच्छा हुआ मेरा हरण रावण द्वारा किया गया था न कि उनके अनुयायियों द्वारा, नहीं तो मेरा हश्र भी हाथरस जैसा होता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद इस वायरल वीडियो पर सियासी बवाल मच गया है।आरोप है कि वीडियो में बनर्जी ने देवी सीता को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। जिसके बाद हावड़ा के गोलाबाड़ी थाने में उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई। वहीं, तृणमूल सांसद के बयान पर भाजपा नेताओं ने जोरदार हमला बोला है इसमें संबित पात्रा, तथागत राय, लॉकेट चटर्जी आदि शामिल हैं।

उधर, कल्याण बनर्जी के बयान पर भाजयुमो के सदस्य आशीष जायसवाल ने एफआइआर दर्ज कराई है। आशीष के मुताबिक, बनर्जी के बयान से हिंदू के साथ बंगाली समाज आहत हुआ है। इसीलिए हमने शिकायत दर्ज कराई है। हम चाहते हैं कि वह माफी मांगे।

वहीं, हावड़ा में मैथिली समाज के सदस्य अभय कुमार झा ने कहा कि हम कल्याण बनर्जी के बयान की निंदा करते हैं। अगर वह 24 घंटे के भीतर माफी नहीं मांगते हैं तो हम उनके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

वहीं, तृणमूल सांसद के बयान पर भाजपा नेताओं ने जोरदार हमला बोला है इसमें संबित पात्रा, तथागत राय, लॉकेट चटर्जी आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि कल्याण बनर्जी के बयान से पूरा हिंदू समाज आहत हुआ है तथा 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में लोग इसका जवाब देंगे। लॉकेट चटर्जी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद बंगाल में सबसे ज्यादा दुष्कर्म होते हैं। उन्हें पहले अपने राज्य को देखना चाहिए और फिर यूपी, राजस्थान या बिहार को देखना चाहिए।

लॉकेट चटर्जी ने तृणमूल के बयान पर कहा कि वह हमारी परंपरा, रामायण और महाभारत का अपमान कर रहे हैं। इसका जवाब उन्हें 2021 में मिलेगा। वहीं, भाजपा नेता और मेघालय के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने भी बनर्जी के बयान की निंदा की है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि तृणमूल सांसद के बयान की जितनी निंदा की जाए वह कम है। उन्हें इसके लिए पूरे हिंदू समाज से माफी मांगी चाहिए।

ममता बनर्जी ने कहा- मतुआ समुदाय के लोग देश के ही नागरिक, बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी एनआरसी

कोलकाता । मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मतुआ समुदाय के लोगों को देश का नागरिक करार देते हुए फिर कहा कि वे बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू नहीं होने देंगी। सोमवार को नदिया जिले के राणाघाट के हबीबपुर अंचल में जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा-मतुआ समुदाय के लोग 50-70 साल से बंगाल में रह रहे हैं। कुछ तो आजादी से भी पहले से यहां हैं। वे पहले से ही यहां के नागरिक हैं। किसी से उसकी नागरिकता छीनना इतना आसान नहीं है। हम बंगाल में एनआरसी लागू होने नहीं देंगे।

भाजपा मतुआ समुदाय को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उसकी बातों का अनुसरण करने पर विदेशी बनना पड़ जाएगा। ममता ने आगे कहा-मतुआ समुदाय के विकास के लिए बोर्ड का गठन किया जा रहा है। इसी तरह नमऱ्शुद्र, राजवंशी व कामतापुरी समुदाय के लोगों के लिए भी बोर्ड गठित होगा।

ममता ने भाजपा की तुलना पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से करते हुए कहा कि दोनों में कोई फर्क नहीं है। भाजपा हारने पर भी जीत का दावा करेगी। भाजपा के सूबे की सत्ता पर आने पर सोनार बांग्ला गढ़ने के दावे पर ममता ने कहा-%सोनार बांग्ला गढ़ने को अब कुछ बाकी नहीं रह गया है। अब तो विश्व बांग्ला तैयार किया जा रहा है। भाजपा नेताओं के बंगाल दौरे पर मुख्यमंत्री ने कहा-%वे पांच सितारा होटल का खाना साथ लेकर चलते हैं और बोतलबंद पानी पीते हैं। रास्ते की

धूल फांकना इतना आसान नहीं है।

भाजपा वाशिंग मशीन, उसमें शामिल होते ही साफ हो जाते हैं सभी

ने कहा-भाजपा वाशिंग मशीन की तरह है। उसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं है। उस दल में जाते ही सभी साफ हो

भाजपा नौकरी और रुपये देने की बात करती है और चुनाव खत्म होते ही डमरु बजाकर भाग जाती है।'

नए कृषि कानूनों को वापस ले केंद्र

जय जवान, जय किसान' का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए ममता केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया। ममता ने कहा केंद्र नए कृषि कानूनों को अविलंब वापस ले। ममता ने ट्वीट किया-पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उन्होंने हमें जय जवान, जय किसान का प्रेरणादायी नारा दिया था।

हमें हमारे किसान भाई-बहनों पर गर्व है। किसान हमारे देश के नायक हैं। केंद्र को किसान विरोधी कानूनों को तुरंत वापस लेना चाहिए। दूसरी तरफ बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव लाने का बंगाल सरकार का निर्णय विधानसभा चुनाव को देखते हुए लोगों को मूर्ख बनाने की चाल है। अगर बंगाल सरकार किसानों को लेकर चिंतित है तो वह नए कृषि कानूनों को लागू करने में बाधा क्यों उत्पन्न कर रही है किसानों का भरोसा खोने के कारण मुख्यमंत्री बंगाल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू करने को लिए राजी हुई हैं।

विश्राम घाट के अध्यक्ष विश्वामित्र शर्मा का निधन

भोपाल । विश्राम घाट के अध्यक्ष विश्वामित्र शर्मा का बैरसिया रोड अपेक्स हॉस्पिटल में 88 वर्ष की आयु में रविवार को तड़के सुबह 3.15 बजे निधन हो गया। श्री शर्मा कोरोना पॉजिटिव आने से वे पिछले एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। विश्वामित्र शर्मा चार बार से लगातार विश्राम घाट के अध्यक्ष के पद पर बने हुए थे। इससे पूर्व श्री शर्मा कमाली मंदिर के अध्यक्ष रहने के साथ ही मानस भवन के फाउडिंग मेंबर भी रहे हैं। विश्राम घाट कमेटी प्रबंधक शोभराज सुखवानी ने बताया कि श्री शर्मा जी के निधन पर विश्राम घाट के सभी ट्रस्टी व सहयोगी कार्यकर्ताओं में दुख व्याप्त है।

वहीं, रमेश शर्मा (गुट्टू भैया), विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रमुख मठ मंदिर दिलीप खंडेलवाल और श्री राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रमोद चुग ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री शर्मा व्यक्तित्व के धनी होने के साथ ही विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यों में लगभग

राजस्थान में ठंड को लेकर येलो अलर्ट जारी

जयपुर। राजस्थान में मौसम विभाग ने सोमवार को ठंड को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बनी रही, जबकि न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। चूरू में रविवार रात 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गंगानगर में 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछली रात के मुकाबले क्रमश: तीन और चार डिग्री कम था। इसी तरह, रविवार रात का न्यूनतम तापमान पिलानी में 3.9 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 4 डिग्री सेल्सियस, बाड़मेर और एरन रोड में 5 डिग्री सेल्सियस, बीकानेर में 5.4 डिग्री सेल्सियस, फलोदी में 6.8 डिग्री सेल्सियस और जोधपुर में 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 16 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। डभोक में उच्चतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस और चूरू में 16 डिग्री और गंगानगर में 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। जयपुर में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए झुंझुनू, सीकर, अलवर, भरतपुर, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, नागौर और पाली में शीत लहर के लिए एक येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग गंभीर या खतरनाक मौसम से पहले लोगों को सचेत करने के लिए रंग-कोडित चेतावनी जारी करता है। प्रदेश में सुबह और शाम घने कोहरे की वजह से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे की वजह से प्रदेश में हादसों में भी इजाफा हुआ है।

हादसों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य चोटिल भी हो चुके हैं। गौरतलब है कि दिसंबर, 2020 में भीषण सर्दी की वजह से कई जिलों में पारा जमाव बिंदु के करीब पहुंच गया था।

चार मृत बच्चों के बाद पांचवें बच्चे की भी जलने से मौत, भानारकर दंपति की दुख भरी कहानी

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के सरकारी अस्पताल में आग लगने से दस बच्चों की मौत के इस असहनीय दर्द भूल पाना उन पीड़ित परिवारों के लिए असंभव है जिन्होंने अपने कलेजे के टुकड़ों को अभी जी भर कर देखा भी नहीं था। इस दर्दनाक घटना में अपनी बच्ची को खो चुके एक पिता ने अपना दुख साझा किया पीड़ित दंपति हीरालाल और हिरकन्या भानारकर की शादी 14 साल पहले हुई थी। तब से दोनों अपने एक बच्चे का सपना देख रहे थे। हालांकि, चार बार गर्भवती होने के बावजूद हिरकन्या कभी जीवित बच्चे को जन्म नहीं दे सकी।

चार बच्चों की मौत का गम सहते हुए हिरकन्या 39 साल की उम्र में पांचवीं बार गर्भवती हुईं। उन्होंने तय किया था कि इस साल कुछ भी करके उनके बच्चे को जीवित रहना होगा। हालत खराब होने पर हिरकन्या का निजी अस्पताल में इलाज किया गया, जो महंगी दवाएं ले रही थी।

बीती 6 जनवरी को, हिरकन्या ने साकोली उप-जिला अस्पताल में एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। पहली बार जीवित बच्चे को जन्म देने पर हर कोई खुश था। लेकिन जिस लड़की का जन्म हुआ उसका वजन मात्र 1 किलो था। परिणामस्वरूप उसे तुरंत भंडारा जिला अस्पताल में एसएनसीयू में भर्ती कराया गया।

वह दो दिनों तक वहां रही और 8वें की रात को हीराकन्या और हीरालाल की बेटी की आग में जलकर मौत हो गई। हीरालाल और हिरकन्या जिन्हें पिछले चार बुरे अनुभव थे, उन्होंने सपना में देखा था कि उनका बच्चा इस साल अपने घर पर हंसेगा और खेलेगा। हालांकि, उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली के अनाड़ी प्रबंधन के कारण सब कुछ खो दिया।

इस बार, हिरकन्या ने प्रसव के सातवें महीने में बच्ची को जन्म दिया था। गर्भवती होने के बाद उनके साथ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना भी हुई। हीराकन्या के घर में शौचालय नहीं था। कुछ दिनों पहले, शौच के लिए जाते समय गिर गई और उसके गर्भाशय में चोट आई। इसलिए उसे बच्ची को जल्दी जन्म देना पड़ा।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के भंडारा में शुक्रवार देर रात एक सरकारी जिला अस्पताल में आग लग गई थी जिसमें 10 नवजात बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस वार्ड में 17 बच्चे भर्ती थी जिनकी उम्र एक दिन से लेकर तीन माह तक बताया गई थी। ये हादसा शुक्रवार देर रात 2 बजे हुआ था। वार्ड से धुआं उठता देख नर्स को हादसे की भनक लगी। नर्स दौड़कर वार्ड तक पहुंची लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दस बच्चे आग में झुलस चुके थे। बता दें कि अस्पताल के सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट में उन्हें बच्चों को रखा जाता है जिनकी हालत काफी नाजुक होती है और जन्म के समय जिनका वजन बहुत कम होता है।

कार्यक्रम | **कुशवाह समाज का ऑनलाइन युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न**

ज़ूम एप के जरिये घर बैठे पसंद किए जीवन साथी

अब सामाजिक कार्यक्रम भी हो रहे हाईटेक

भोपाल,(एजेंसी)। महामारी कोरोना ने सामाजिक दूरियां बढ़ाई तो हैं लेकिन लोगों ने उसके उपाय भी कर लिए हैं। भले ही हाथ न मिला पाएं लेकिन वर्चुअली रूबरू तो हो ही सकते हैं। बच्चों की पढ़ाई से लेकर कई काम ऑनलाइन हो रहे हो तो रिश्ते की बात भी ऑनलाइन क्यों न हो। ऐसा ही नजारा कुशवाहा समाज के ऑनलाइन युवक-युवती परिचय सम्मेलन में देखने को मिला। जब युवती-युवती एप के जरिये परिचय दे रहे थे और समाजजन घर बैठे ही रिश्ते की बात चला रहे थे।

रविवार को जिला भोपाल कुशवाह समाज का ऑनलाइन युवक. युवती परिचय सम्मेलन महाकाल मंदिर, कुंदन नमकीन के पास न्यू कबाड़खाना भोपाल में संपन्न हुआ। जिलाध्यक्ष प्रेमनारायण कुशवाहा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ समाज सेवियों द्वारा हवन कर आराध्य देव भगवान श्री लव कुश जी की पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया, जिसके उपरांत मुख्य आथितियों का स्वागत किया गया। साथ ही परिणय स्मारिका का विमोचन किया गया जिसमें 350 युवक युवतियों के बायोडाटा प्रकाशित किए गए हैं।

700 से ज्यादा युवक-युवती हुए रूबरू

जिला सचिव प्रशांत पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में ज़ूम एप पर लगभग 700 से ज्यादा युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया जिसका लाइव टेलिकास्ट एलईडी स्क्रीन, यू ट्यूब एवं विभिन सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर किया गया जिसकी लाइव टेलिकास्ट पूरे देश-विदेश में रह रहे स्वजातीय बंधुओं ने अपने-अपने घर बैठे देखा।

पहली बार किया, लोगों ने सराहा

युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिनेश कुशवाहा ने बताया कि कुशवाहा समाज भोपाल द्वारा प्रथम बार ऑनलाइन परिचय सम्मेलन किया गया जो की उम्मीद से बढ़कर कर सफल रहा। सभी स्वजातीय बंधुओं ने ऑनलाइन परिचय सम्मेलन की काफी तरीफ़ की।

होते रहे ऐसे आयोजन: श्रीकांत

आयोजन में शामिल हुए प्रतिभागी श्रीकांत कुशवाहा ने बताया कि आज के हाइटेक जमाने में इस टाइप के ऑनलाइन कार्यक्रम समाज में होते रहना चाहिए जिससे समाज में जागरूकता बढ़ेगी और घर बैठे लोग समाज की गतिविधियों में हिस्सा ले सके।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा, रमेश कुशवाहा, राजू कुशवाहा, सीताराम कुशवाहा, ज्ञानसिंह कुशवाहा, शिवशंकर कुशवाहा, मंटू कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, हंसराज कुशवाहा, लक्ष्मीनारायण कुशवाहा, रासबिहारी कुशवाहा, मदन कुशवाहा, रामप्रसाद, संजय कुशवाहा, श्रीकांत कुशवाहा, महेश कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, प्रशांत कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, शुभम, सचिन सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बन्धु एवं मातृशक्ति के रूप में समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं।

किसानों के लिए फायदेमंद नहीं है कृषि कानून: दिग्विजय सिंह

भोपाल,(एजेंसी)। देश मे लागू किए गए कृषि कानून पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाये गए कृषि कानून किसानों के लिए फायदेमंद नहीं है ये किसान विरोधी है बल्कि यह कानून प्रधानमंत्री अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पंहुचाने के लिए लाए हैं। इस कानून के लागू होने से किसानों के खेत पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली बन जाएंगे क्योंकि भाजपा पूंजीवादी व्यवस्था के पक्षधर है।

जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने किया धरना प्रदर्शन

दिग्विजय सिंह जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा किसानों के सम्मान में कांग्रेस मैदान कृषि उपज मंडी समिति बैरसिया के सामने आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा ही उद्योगपतियों को फायदा पंहुचाया है इसके विपरीत कांग्रेस ने हमेशा किसानों गरीबों और पिछड़ों की आवाज उठाई है उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद किसानों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पूछा इस कानून को लेकर पक्ष में कौन है और विपक्ष में कौन है चारो तरफ से आवाज आई कि यह बिल किसान विरोधी बिल है इसे लागू नही होना चाहिए उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के गढ़ में ही किसान कृषि बिल का विरोध कर रहे है तो कैसे कहे कि पूरे देश के किसानों को सरकार के इस काले कानून बिल से फायदा पहुंचने वाला है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीनों कृषि कानून अभी लागू भी नहीं हुए है उनके दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं जिसका ताजा उदाहरण मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री कमल पटेल के क्षेत्र में ही देखने को मिल रहा है जहां एक व्यापारी नकली फर्म बनाकर सैकड़ों किसानों से पांच करोड़ से अधिक उपज खरीदकर उन्हें चूना लगाया ऐसे में सीएम, कृषि मंत्री पीड़ित किसानों को नए कानून से न्याय दिलाए तब जानेंगे कि सरकार का बिल किसान हित में है। उन्होंने कहा कि इस ठगी में खुद कृषि मंत्री कमल पटेल के भतीजे को 41 लाख की चपत लगी है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल प्रदेश कांग्रेस महासचिव अवनीश भार्गव राम भाई मेहर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जयश्रीहरिकरण प्रदेश महिला कांग्रेस सचिव राजकुमारी केवट जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव जिला ग्रामीण कार्यवाहक अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश दांगी ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कमर पटेल आदि ने भी केंद्र सरकार के कृषि कानून का विरोध करते हुए सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान एवं कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

पतंग बनाने वाले अब्दुल गफ्फूर अंसारी जयपुर के हांडीपुरा में मकर संक्रांति पर्व से पहले राजनेताओं की आदमकद पतंग बनाते हुए।

देवी सीता पर अपमानजनक टिप्पणी को लेकर तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ एफआइआर

कोलकाता। बंगाल में देवी सीता पर तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा अपमानजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। भाजपा ने तृणमूल सांसद के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है।

दरअसल एक वायरल वीडियो में कल्याण बनर्जी ये कहते हुए पाए गए कि, %सीता ने भगवान राम से कहा कि अच्छा हुआ मेरा हरण रावण द्वारा किया गया था न कि उनके अनुयायियों द्वारा, नहीं तो मेरा हश्र भी हाथरस जैसा होता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद इस वायरल वीडियो पर सियासी बवाल मच गया है।आरोप है कि वीडियो में बनर्जी ने देवी सीता को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। जिसके बाद हावड़ा के गोलाबाड़ी थाने में उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई। वहीं, तृणमूल सांसद के बयान पर भाजपा नेताओं ने जोरदार हमला बोला है इसमें संबित पात्रा, तथागत राय, लॉकेट चटर्जी आदि शामिल हैं।

उधर, कल्याण बनर्जी के बयान पर भाजयुमो के सदस्य आशीष जायसवाल ने एफआइआर दर्ज कराई है। आशीष के मुताबिक, बनर्जी के बयान से हिंदू के साथ बंगाली समाज आहत हुआ है। इसीलिए हमने शिकायत दर्ज कराई है। हम चाहते हैं कि वह माफी मांगे। वहीं, हावड़ा में मैथिली समाज के सदस्य अभय कुमार झा ने कहा कि हम कल्याण बनर्जी के बयान की निंदा करते हैं। अगर वह 24 घंटे के भीतर माफी नहीं मांगते हैं तो हम उनके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

वहीं, तृणमूल सांसद के बयान पर भाजपा नेताओं ने जोरदार हमला बोला है इसमें संबित पात्रा, तथागत राय, लॉकेट चटर्जी आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि कल्याण बनर्जी के बयान से पूरा हिंदू समाज आहत हुआ है तथा 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में लोग इसका जवाब देंगे। लॉकेट चटर्जी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद बंगाल में सबसे ज्यादा दुष्कर्म होते हैं। उन्हें पहले अपने राज्य को देखना चाहिए और फिर यूपी, राजस्थान या बिहार को देखना चाहिए।

लॉकेट चटर्जी ने तृणमूल के बयान पर कहा कि वह हमारी परंपरा, रामायण और महाभारत का अपमान कर रहे हैं। इसका जवाब उन्हें 2021 में मिलेगा। वहीं, भाजपा नेता और मेघालय के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने भी बनर्जी के बयान की निंदा की है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि तृणमूल सांसद के बयान की जितनी निंदा की जाए वह कम है। उन्हें इसके लिए पूरे हिंदू समाज से माफी मांगी चाहिए।

ममता बनर्जी ने कहा- मतुआ समुदाय के लोग देश के ही नागरिक, बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी एनआरसी

कोलकाता। मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मतुआ समुदाय के लोगों को देश का नागरिक करार देते हुए फिर कहा कि वे बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू नहीं होने देंगी। सोमवार को नदिया जिले के राणाघाट के हबीबपुर अंचल में जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा-मतुआ समुदाय के लोग 50-70 साल से बंगाल में रह रहे हैं। कुछ तो आजादी से भी पहले से यहां हैं। वे पहले से ही यहां के नागरिक हैं। किसी से उसकी नागरिकता छीनना इतना आसान नहीं है। हम बंगाल में एनआरसी लागू होने नहीं देंगे।

भाजपा मतुआ समुदाय को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उसकी बातों का भरोसा करने पर विदेशी बनना पड़ जाएगा। ममता ने आगे कहा-मतुआ समुदाय के विकास के लिए बोर्ड का गठन किया जा रहा है। इसी तरह नमनशूद्र, राजवंशी व कामतापुरी समुदाय के लोगों के लिए भी बोर्ड गठित होगा।

ममता ने भाजपा की तुलना पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से करते हुए कहा कि दोनों में कोई फर्क नहीं है। भाजपा हारने पर भी जीत का दावा करेगी। भाजपा के सूबे की सत्ता पर आने पर सोनार बांग्ला गढ़ने के दावे पर ममता ने कहा-%सोनार बांग्ला गढ़ने को अब कुछ बाकी नहीं रह गया है। अब तो विश्व बांग्ला तैयार किया जा रहा है। भाजपा नेताओं के बंगाल दौरे पर मुख्यमंत्री ने कहा-%वे पांच सितारा होटल का खाना साथ लेकर चलते हैं और मोहनबंद पानी पीते हैं। उनके

धूल फांकना इतना आसान नहीं है। भाजपा वाशिंग मशीन, उसमें शामिल होते ही साफ हो जाते हैं सभी

ने कहा-भाजपा वाशिंग मशीन की तरह है। उसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं है। उस दल में जाते ही सभी साफ हो

भाजपा नौकरी और रुपये देने की बात करती है और चुनाव खत्म होते ही डमरु बजाकर भाग जाती है।'

नए कृषि कानूनों को वापस ले केंद्र

जय जवान, जय किसान' का नारा देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए ममता केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया। भाजपा ममता ने कहा केंद्र नए कृषि कानूनों को अविलंब वापस ले। ममता ने ट्वीट किया-पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उन्होंने हमें जय जवान, जय किसान का प्रेरणादायी नारा दिया था। हमें हमारे किसान भाई-बहनों पर गर्व है। किसान हमारे देश के नायक हैं। केंद्र को किसान विरोधी कानूनों को तुरंत वापस लेना चाहिए। दूसरी तरफ बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव लाने का बंगाल सरकार का निर्णय विधानसभा चुनाव को देखते हुए लोगों को मूर्ख बनाने की चाल है। अगर बंगाल सरकार किसानों को लेकर चिंतित है तो वह नए कृषि कानूनों को लागू करने में बाधा क्यों उत्पन्न कर रही है? किसानों का भरोसा खोने के कारण मुख्यमंत्री बंगाल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू करने को लिए राजी हुई हैं।

विश्राम घाट के अध्यक्ष विश्वामित्र शर्मा का निधन

भोपाल। विश्राम घाट के अध्यक्ष विश्वामित्र शर्मा का बैरसिया रोड अपेक्स हॉस्पिटल में 88 वर्ष की आयु में रविवार को तड़के सुबह 3.15 बजे निधन हो गया। श्री शर्मा कोरोना पॉजिटिव आने से वे पिछले एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। विश्वामित्र शर्मा चार बार से लगातार विश्राम घाट के अध्यक्ष के पद पर बने हुए थे। इससे पूर्व श्री शर्मा कमाली मंदिर के अध्यक्ष रहने के साथ ही मानस भवन के फाउंडिंग मेंबर भी रहे हैं।

विश्राम घाट कमेटी प्रबंधक शोभराज सुखवानी ने बताया कि श्री शर्मा जी के निधन पर विश्राम घाट के सभी ट्रस्टी व सहयोगी कार्यकर्ताओं में दुख व्याप्त है। वहीं, रमेश शर्मा (गुट्टू भैया), विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रमुख मठ मंदिर दिलीप खंडेलवाल और श्री राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रमोद चुग ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री शर्मा व्यक्तित्व के धनी होने के साथ ही विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यों में लगभग

प्रदेश में निवेश बढ़ाने क्लीयरेंस प्रक्रिया होगी तेज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के साथ की चाय पर चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव के साथ सोमवार को चाय पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री निवास पर हुई 'चाय पर चर्चा' के दौरान प्रदेश में निवेश वृद्धि के लिए प्रयास बढ़ाने के लिए क्लीयरेंस की प्रक्रिया तेज करने, 30 दिन में आवश्यक अनुमति प्रदान करने की लक्ष्य पूर्ति, नार्थ साउथ ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर के अलावा चंबल क्षेत्र में अटल प्रोग्रेस वे और नर्मदा एक्सप्रेस के विकास, नए उद्योगों की स्थापना के लिए अध्ययन कर उस दिशा में कार्रवाई, अन्य राज्यों के मॉडल को अपनाने के लिए अध्ययन यात्रा, ईज आफ डूइंग बिजनेस पर कार्य, निर्यात प्रोत्साहन, एयर कार्गो हब के रूप में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाने के लिए नीति के निर्माण और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्योगों के विकास, ऐसे उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रयास बढ़ाने के बारे में बातचीत हुई। इस दौरान उद्योग संवर्धन नीति के अंतर्गत प्रावधानित विभिन्न सुविधाओं के प्रकरणों में औद्योगिक इकाइयों के लगभग 1700 करोड़ के क्लेम प्रकरणों में सहायता राशि के वितरण के लिए वित्त विभाग से अतिरिक्त बजट आवंटन कराए जाने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। भारत शासन की फार्मा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई जिला होशंगाबाद में बल्क ड्रग पार्क एवं मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना के लिए प्रेषित प्रस्तावों की स्वीकृति के संबंध में केंद्रीय मंत्री केमिकल एवं फर्टिलाइजर मंत्रालय, भारत सरकार से अनुरोध किया जाएगा। चाय पर चर्चा के दौरान वर्ष 2014 में राज्य शासन द्वारा लिये गए निर्णय के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों में अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों में भवन निर्माण अनुज्ञा के अधिकार त्रि-सदस्यीय समिति के स्थान पर कार्यकारी संचालक क्षेत्रीय कार्यालय एमपीआईडीसी को प्रत्यायोजित करने के लिए अनुरोध किए जाने की बात कही गई। तदनुसार पूर्व में राज्य शासन द्वारा लिये गए निर्णय के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों/विभाग की अविकसित शासकीय भूमि पर स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाइयों के भवन निर्माण अनुज्ञा के अधिकार कार्यकारी संचालक क्षेत्रीय कार्यालय एमपीआईडीसी को प्रत्यायोजित करने का अनुरोध किया जाएगा।

प्रधानमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री भी हुए शामिल
सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोविड-19 टीकाकरण पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उप राज्यपालों, प्रशासकों को संबोधित किया। वीसी में भोपाल स्थित मंत्रालय से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान आदि उपस्थित थे।

मंत्री सिलावट ने संभाला अपने विभागों का पदभार

भोपाल । मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को वल्लभ भवन 3, कक्ष 105 में विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद जल संसाधन, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा, मुख्य अभियंता डावर, मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक पुरूषोत्तम धीमान और विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि मंत्री पटेल ने की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात

भोपाल । प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। श्री पटेल ने केंद्रीय कौशल विकास मंत्री महेंद्र नाथ पांडे से भेंट कर मध्यप्रदेश में युवाओं के कौशल-उन्नयन के साथ ही प्रदेश में कौशल विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी. किशन रेड्डी से भी मुलाकात कर मध्यप्रदेश में तीन नए कृषि कानूनों के संबंध में किसानों द्वारा दिए जा रहे समर्थन से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के गायब हुई बालिकाओं के संबंध में दिए निर्देश

काम से बाहर जाने वाली बेटियों का रिकॉर्ड रखने का सिस्टम बनाएं

महिला अपराधों में आई कमी के लिए पुलिस बधाई की पात्र

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को मंत्रालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक में प्रदेश से गायब हुई बालिकाओं के संबंध में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने गायब हुई बालिकाओं के संबंध में कहा कि पुलिस ऐसे मामलों में बालिकाओं की बरामदगी संख्या बढ़ाएं। उन्होंने गत कुछ माह में महिला अपराधों में आई कमी के लिए पुलिस को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि गत आठ माह में महिलाओं के विरुद्ध अपराध आधे हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए महिला जागरूकता अभियान का संचालन सराहनीय है। करीब सात हजार प्रकरणों में गुमशुदा बच्चियों को छुड़वाया गया है।

चिंता का विषय है बेटियों का गुम होना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में कहा कि बेटियों के गायब होने के मामले में गंभीर कार्रवाई की आवश्यकता है। इसलिए आज की यह विशेष बैठक बुलाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों का गायब होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि गुम हुई बेटियों को लाना, प्राथमिकता हो। मुख्यमंत्री ने कहा ऐसा

सिस्टम बनाएं कि जिले से कार्य, रोजगार आदि के लिए बाहर जाने वाली बेटी का पूरा रिकार्ड हो, जिससे वे शिकायत कर सकें। तभी इसे रोक पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी व्यवस्था हो कि कार्य के लिए जिले से बाहर जाने पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो।

श्री चौहान ने कहा कि गायब बच्चों में बेटों की तुलना में बेटियों की संख्या दोगुनी होने से स्पष्ट संकेत है कि बेटियों का गायब होना सामान्य नहीं है। पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी ने बताया कि बालिकाओं या युवतियों के गायब होने के पीछे के नगरीय क्षेत्रों के प्रमुख कारणों में उनका बिना बताए घर से जाना या नाराज होकर भागना और बिना बताए प्रेमी के साथ भागना शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र से मजदूरी के नाम पर पलायन होता है। इसमें श्रम विभाग की कार्यवाही आवश्यक होगी। इसका रिकार्ड रखा जाए कि कांट्रेक्टर उन्हें कहां और किस कार्य से ले जा रहे हैं।

सभी हेल्पलाइन को एक करें

मुख्यमंत्री ने विभिन्न तरह की हेल्पलाइन को एक करने के लिए भी प्रस्ताव बनाने को कहा। अभी प्रदेश में उमंग एप और हेल्पलाइन 1090 है। भारत सरकार का हेल्प लाइन नंबर 1098 है। बैठक में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय मकरंद देउस्कर, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास अशोक शाह और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

पूरी तरह सुरक्षित हैं कोरोना की दोनों वैक्सीन: सीएम

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना टीकाकरण के लिए मध्यप्रदेश पूरी तरह तैयार है। मध्य प्रदेश में 16 जनवरी को 302 स्वास्थ्य केंद्रों पर कोरोना टीकाकरण प्रारंभ होगा। प्रथम चरण में कोरोना वारियर्स एवं फ्रेंटलाइन वर्कर्स को टीके लगाए जाएंगे, जिनकी संख्या लगभग 4 लाख 16 हजार है।

प्रदेश में 16 जनवरी को 302 केंद्रों पर चालू होगा टीकाकरण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कोरोना के दोनों वैक्सीन कोवीशील्ड एवं कोवैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित एवं विश्व में अभी तक तैयार किए गए कोरोना वैक्सीन में सर्वश्रेष्ठ हैं। ये शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करते हैं तथा एंटीबॉडीज बनाते हैं। इन्हें लगवाने में किसी भी प्रकार का संदेह नहीं होना चाहिए। भारत के वैज्ञानिक समूह ने भी इस बात को प्रमाणित किया है। इस संबंध में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का भ्रम अथवा अफवाह न फैलाए।

मैं प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन करता हूं: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत में कोरोना महामारी को नियंत्रित करने में अद्भुत एवं अभूतपूर्व कार्य के लिए सारी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना कर रही है। मैं उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं। कोरोना वैक्सीन लगाए जाने का अभियान विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है जो भारत में प्रारंभ हो रहा है। सीएम ने कहा कि वैक्सीन डिलीवरी के लिए भारत सरकार द्वारा कोविन पोर्टल बनाया गया है, जो हमारी आईटी क्षमता का श्रेष्ठ उदाहरण है। इससे संपूर्ण टीकाकरण कार्य की अच्छी मॉनिटरिंग भी होगी।

वैक्सीनेशन पर विपक्ष को बोलने का अधिकार नहीं

जो भी समाज विरोधी काम करेगा, उसके खिलाफ होगी कार्रवाई

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि हम स्वयं वैक्सीनेशन के लिए गए थे। विपक्ष को कुछ कहने का अधिकार ही नहीं हैं क्योंकि उनके नेता तो शायद वैक्सीनेशन के डर से ही देश से विदेश चले गए हैं। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन की विश्वसनीयता और वैज्ञानिकों की योग्यता पर हम सभी को गर्व है, जिन्होंने आठ महीने तक लगातार अथक परिश्रम कर इसे विकसित किया है।

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा सोमवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि पश्चिम बंगाल में जारी किया गया फतवा तुष्टीकरण का परिचायक है। इस प्रकार के फतवों से पश्चिम बंगाल की जनता अब प्रभावित नहीं होने वाली है। टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा की गई टिप्पणी भी तुष्टिकरण का ही परिचायक है। ताड़का के पक्ष के लोग इसी प्रकार की टिप्पणी कर सकते हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राष्ट्र के गौरव और अस्मिता को सुदृढ़ करने के अवसरों पर ना जाने क्यों विपक्षी प्रश्नचिन्ह लगाते हैं? पता नहीं उन्होंने कहां से धूर्तता का कोर्स किया है? ग्वालियर में गोडसे की पूजा पर गृह मंत्री ने कहा कि जो भी समाज विरोधी काम करेगा उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के लागू होने के बाद जो भी प्रकरण आएगा। उसमें उसी के प्रावधानों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर पर डॉ. मिश्रा ने कहा कि नकल करने और ढोंग करने में अंतर होता है। कांग्रेस ढोंग कर रही है। मंत्री मिश्रा ने कहा कि सीधी प्रकरण में स्पेशल ट्रायल के माध्यम से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जुबानी जहर फैलाने वाले माफियाओं के विरुद्ध क्या कानूनी कार्रवाई की जा सकती है इस पर भी सरकार विचार करेगी। गृहमंत्री ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी से कोई भी कभी भी मिल सकता है। यहां चलो-चलो वाली परंपरा नहीं है।

प्रदेश में मोटर-व्हीकल एक्ट का पालन सख्ती से कराएं: जस्टिस सप्रे

सड़क सुरक्षा के लिए छह दिनी ऑनलाइन वर्कशॉप शुरू

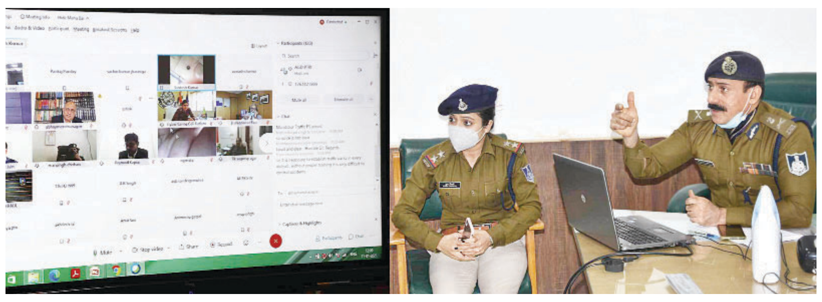

भोपाल (एजेंसी)। चेयरमैन, सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी, जस्टिस अभय मनोहर सप्रे ने ए रोडमेप टू रोड सेफ्टी, राइट्स एंड ड्यूटीज विषय पर आयोजित छह दिवसीय ऑनलाइन वर्कशॉप के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए मोटर-व्हीलकल एक्ट-1935 के नियमों का पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने वर्कशॉप में शामिल सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे वर्कशॉप में शामिल होने वाले फैकल्टी से बेबाकी से प्रश्न कर उनके समाधान प्राप्त करें। साथ ही वर्कशॉप से हासिल की गई जानकारियों का उपयोग मध्यप्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं एवं उससे होने वाली क्षति को रोकने में करें। जस्टिस श्री सप्रे ने कहा कि मप्र में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए मोटर-व्हीकल एक्ट में किए गए कानूनी प्रावधानों के मुताबिक सख्ती से कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए आधुनिक तकनीक का भी अधिकतम उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि ओवर स्पीडिंग, शराब पीकर ड्रायविंग, बगैर हेलमेट और सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाने पर ठोस कार्रवाई कर सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली क्षति में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। सड़क दुर्घटनाओं से बचाव और राहत कार्य में मददगारों के लिए किए गए कानूनी प्रावधानों का प्रचार-प्रसार आम जनता में जागरूकता के लिए नियमित रूप से किया जाना जरूरी है। श्री सप्रे ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रकरणों में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। हमें हर हाल में लोगों की जिंदगियां बचानी हैं। अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए जज्बाती होकर जुनून के साथ कार्य करना है।

इन्वेस्टिगेशन में हेडन्स के सिद्धांतों का पालन करें : एडीजी सागर

एडीजी, पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान डीसी सागर ने ऑनलाइन वर्कशॉप के द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हेडन्स के सिद्धांतों का पालन करने को कहा। उन्होंने विस्तार से हेडन्स के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। श्री सागर ने इन्वेस्टिगेशन में प्री-क्रेश, क्रेश और पोस्ट-क्रेश इन्वेस्टिगेशन गंभीरता से करने को कहा। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी है कि उनके कारणों की पूर्ण पड़ताल की जाए, जिससे कि भविष्य में उन्हीं कारणों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। दुर्घटना होने के पश्चात जिला-स्तरीय कमेटियों को संजीदगी से मौका-मुआयना करना ही चाहिए। दुर्घटना के कारणों के निवारण के उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए। एडीजी श्री सागर ने कहा कि पीड़ितों को यथा-संभव तरीके से शीघ्रतिशीघ्र मुकम्मल इलाज मुहैया कराना चाहिए। पहले दिन ऑनलाइन वर्कशॉप में प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी नोडल एजेंसियों के अधिकारी सम्मिलित हुए।

आज ये करेंगे संबोधित: मंगलवार 12 जनवरी को प्रथम सत्र में परिवहन आयुक्त मुकेश जैन इम्पलीमेंटिंग विजन-जीरो इन मध्यप्रदेश विषय पर संबोधित करेंगे। द्वितीय सत्र को आईआईटी मद्रास के प्रो. गीतम तिवारी डिजायनिंग सेफ हाईवेज विषय पर संबोधित करेंगे।

मप्र के क्लस्टर आधारित प्रस्तावों को जल्द मंजूरी दें सखलेचा ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से किया आग्रह

भोपाल । प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया है कि मध्यप्रदेश के क्लस्टर आधारित प्रोजेक्ट को शीघ्र स्वीकृति दी जाए। श्री सखलेचा ने सोमवार को नई दिल्ली में एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी से भेंट की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के क्लस्टर आधारित 19 प्रस्ताव केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजे गए हैं। मंत्री श्री सखलेचा ने मध्यप्रदेश में लघु उद्योगों का जाल बिछाने और रोजगार के अवसरों के सृजन के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी श्री गडकरी को अवगत कराया। श्री सखलेचा ने आग्रह किया कि मध्यप्रदेश को आर्थिक रूप से भी सबल किया जाये और वित्तीय प्रस्तावों को शीघ्र मंजूरी दी जाए।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में युवा सम्मेलन आज

भोपाल । स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश भाजपा कार्यालय में युवा सम्मेलन आयोजित करेगा। साथ ही कार्यालय में स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी लगाएगा। स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के उपलक्ष में युवा मोर्चा जिला भोपाल 12 जनवरी को दोपहर 12 बजे युवा सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अभिलाष पांडे संबोधित करेंगे। सम्मेलन के पूर्व प्रदेश कार्यालय में अतिथिगण स्वामी विवेकानंद जी पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। पार्टी के जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित जिले के प्रमुख नेतागण विशेषरूप से उपस्थित रहेंगे।

मप्र कांग्रेस अनुशासन समिति की बैठक आज

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति की बैठक मंगलवार, 12 जनवरी 2021 को दोपहर 12.30 बजे समिति के अध्यक्ष पूर्व मंत्री भारत सिंह की अध्यक्षता में आहूत की गई है। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर सहित समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

महिला बाल विभाग की नई पहल, प्रतियोगिता से चयनित होगा सबसे अच्छा पोस्टर

जनता द्वारा तैयार पोस्टर ही बनेगा जागरूकता अभियान का हिस्सा

भोपाल (एजेंसी)।

जनता में जागरूकता लाने के लिए अब तक सरकारी पोस्टर ही अभियान में शामिल किए जाते थे, जिससे जनता का सीधा जुड़ाव नहीं रहता था, लेकिन अब महिला बाल विकास विभाग नई पहले करने जा रहा है। इस पहल के तहत विभाग जनता द्वारा तैयार पोस्टर को ही जागरूकता अभियान में शामिल करेगी। इस पोस्टर को प्रचार-प्रसार में शामिल किया जाएगा। इसके पीछे विभाग की मंशा जागरूकता कार्यक्रम में जनसमुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करना है। विभाग के इस नवाचार के तहत सोशल मीडिया और तकनीक का प्रयोग कर, जनता के द्वारा जनता के लिए चलाए जा रहे अभियान, योजनाओं का प्रचार-प्रसार जनता के माध्यम से ही किया जाएगा। इस तरह की योजना का दूसरा लाभ यह भी होगा कि विभाग का प्रचार-प्रसार पर खर्चा भी कम होगा।

महिला बाल विकास विभाग द्वारा व्हाटस एप पोस्टर क्रियेटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। जानकारी के अनुसार भविष्य में विभाग इनमें से चयनित पोस्टर का उपयोग प्रचार-प्रसार में शामिल करेगा। इस प्रतियोगिता में लोग अपने क्रिऐटिव आइडियाज का प्रयोग कर पोस्टर बनाएंगे। प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 26 जनवरी है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित सर्वश्रेष्ठ पोस्टर भेजने वाले कुल 55 प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। जिसमें 10 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार पांच लोगों को दिया जाएगा । इसी तरह पांच हजार के 10 द्वितीय तथा एक हजार के कुल 50 तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के मध्यम से सबसे अच्छा पोस्टर चयनित किया जाएगा।

इन विषयों पर बनाने होंगे पोस्टर : प्रतियोगिता बच्चों के विकास, महिला एवं किशोरी सशिक्तकरण, बालिकाओं एवं महिलाओं का स्वास्थ्य, पोषण, महिला एवं किशोरी सशक्तिकरण, महिला एवं बच्चों की सुरक्षा और जेंडर समानता आदि विभाग के अंतर्गत आने वाले विषयों पर आधारित होगी। इस प्रतियोगिता में अठारह से 40 वर्ष की आयु समूह के लोग हिस्सा ले सकेंगे।

विभागीय योजनाओं में जनता भी सहभागी

महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक स्वाति मीणा नायक ने बताया कि संभवत: मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है जहां किसी शासकीय विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं, संदेशों के प्रचार-प्रसार तथा व्यवहार-परिवर्तन के लिए इस तरह की नवीन टेक्नॉलाजी का उपयोग करते हुए, जनता को भी सहभागी बनाया जा रहा है। विभाग द्वारा ऑन-डिमांड रेडियो एप भी तैयार किया गया है। जिसके माध्यम से क्षेत्रीय भाषा में सहज रूप से जागरूकता संदेश जन-जन पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें राज्य एवं जिला स्तर से संदेश आदि प्रसारित किए जा सकेंगे।

स्थानीय बोलियों में करेंगे जागरूक

विभाग की संचालक स्वाति का कहना है कि मध्यप्रदेश भौगोलिक रुप से विशाल एवं खाद्य विविधता वाले राज्य में सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसी के दृष्टिगत और वोकल फॉर लोकल की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग, विभागीय योजनाओं, संदेशों के प्रचार-प्रसार तथा व्यवहार परिवर्तन के लिए एंड्रायड एप तैयार किया गया है। यह ऑन-डिमांड रेडियो एप प्ले स्टोर पर आंगनबाड़ी, रडियो के नाम से उपलब्ध है, जहां से इसे मोबाइल में डॉउनलोड किया जा सकता है। इसमें संदेश, जिंगल, नाटक, कहानी, प्रश्नोत्तरी आदि ऑडियो हिन्दी भाषा के साथ ही स्थानीय बोलियों भीली, गोंडी, कोरकू, बुंदेलखंडी आदि में भी रहेगी।

इनका कहना है

हमने कोविड के दौरान देखा और सीखा कि कैसे आम लोगों ने भी व्हाटस एप और अन्य सोशल प्लेटफार्म्स के माध्यम से जागरूकता में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। हम लोगों के माध्यम से, लोगों के द्वारा, लोगों के लिए चलाई जा रही जागरूकता योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएंगे। विभाग का प्रचार-प्रसार पर होने वाला व्यय भी कम होगा। तकनीक का प्रयोग कर, हमारे यूथ और अन्य किप्रेटिव लोगों के इनोवेटिव आइडियाज का उपयोग प्रचार-प्रसार में किया जाएगा। साथ ही पुरस्कार देकर उन्हें प्रोत्साहित व सम्मानित भी किया जाएगा।

स्वाति मीणा नायक, संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग

पिंक बिकिनी में वाणी कपूर ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वाणी कपूर ने हाल ही में अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो जमकर वायरल हो रही है।

इस तस्वीर में वाणी कपूर पिंक कलर की बिकिनी में नजर आ रही हैं और सनसेट एंजॉय कर रही हैं। वाणी बेहद सेक्सी और बोल्ड नजर आ रही है, ये तस्वीरें देखकर हर किसी की नजर जाकर उनपर ठहर जाएंगी।

इस तस्वीर के साथ वाणी कपूर ने कैप्शन लिखा है, 'सनसेट और परछाई।' वाणी की इस तस्वीर की फैंस जमकर तरीफ कर रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वाणी की कई फिल्में कतार में हैं। वह जल्द ही फिल्म शेरशाह, बेल बॉटम और चडीगढ़ करे आशिकी में लीड रोल में नजर आएंगी।

'आंखें 2' में नजर आ सकते हैं सिद्धार्थ मल्होत्रा, अमिताभ बच्चन निभाएंगे विलेन का किरदार

बॉलीवुड में पिछले कुछ वक्त में कई फिल्मों के रीमेक बन चुके हैं, जबकि कुछ फिल्मों पर काम चल रहा है। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'आंखें' के सीक्वल को लेकर भी काफी समय से चर्चा है। इसकी स्टार कास्ट में अभी तक कई बार बदलाव हो चुके हैं।

शुरुआत में मेकर्स इस फिल्म को अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन के साथ बनाना चाहते थे, जबकि ऐसा नहीं हो पाया। बाद में सैफ अली खान और जैकलीन फर्नांडिस के नाम की चर्चा शुरू हो गई। अब हाल ही में खबर आई है कि फिल्म में अमिताभ के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आ सकते हैं।

खबरों के अनुसार, अमिताभ बच्चन पहले ही इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर चुके हैं, जबकि फिल्म की टीम ने सिद्धार्थ मल्होत्रा को इसके लिए अप्रोच करने की कोशिश की है। 'आंखे 2' में सिद्धार्थ को एक अंधे शख्स का किरदार निभाते हुए देखा जा सकता है।

अमिताभ बच्चन की बात करें तो वह मुख्य विलेन की भूमिका निभाते हुए नजर आ सकते हैं। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह ऑरिजनल फिल्म से बिल्कुल अलग होगी। इसकी कहानी का 2002 की 'आंखे' से कोई लेना देना नहीं रहेगा। यह पूरी तरह से नई होगी। हालंकि, इस बार भी पहले जैसा ही सस्पेंस और थ्रिलर देखने को मिलेगी।

बता दें कि पिछली फिल्म में अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता सेन, परेश रावल और आदित्य पंचोली जैसे सितारे अहम किरदारों में नजर आए थे। फिल्म के सीक्वल की पहली घोषणा 2006 में हुई थी। उस समय निर्देशक विपुल अमृतलाल शाह और निर्माता गौरंग दोषी के आपसी मतभेद के कारण शाह ने सीक्वल से खुद को अलग कर लिया। कुछ वक्त के बाद ही गौरंग कनूनी समस्याओं में फंस गए।

इसके बाद तरुण अग्रवाल ने फिल्म के राइटस खरीदे और 2019 में अनीस बज्मी ने बताया कि उन्होंने 'आंखे 2' की स्क्रिप्ट लगभग पूरी कर ली है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्मों पर बात करें तो हाल ही में उनकी फिल्म 'मिशन मजनू' का ऐलान किया गया है। इसके अलावा वह 'शेरशाह' को लेकर भी चर्चा में हैं। वहीं अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 12' को होस्ट करते दिख रहे हैं। इसके अलावा जल्द ही वह अजय देवगन की फिल्म 'मेडे' पर भी काम शुरू करने वाले हैं। वहीं, उन्हें ब्रह्मास्त्र, झुंड, चेहरे और तेरा यार हूं मैं में भी देखा जाएगा।

हम कलाकार के तौर पर हो जाते हैं स्टीरियोटाइप

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी का मानना है कि एक अभिनेता के रूप में स्टीरियोटाइप होना आसान है और उससे दूर होना बहुत मुश्किल है। अरशद का कहना है कि वह कॉमिक भूमिकाओं में अपनी भारी लोकप्रियता के बावजूद छवि के जाल से बचने में सफल रहे हैं, क्योंकि उनकी गंभीर भूमिकाओं को भी उतना ही पसंद किया गया।

अरशद वारसी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, यह मुश्किल है (स्टीरियोटाइप को तोड़ना)। हम सभी स्टीरियोटाइप हो जाते हैं, हम सभी किरदार करते हैं, हर अभिनेता करता है। यही है कि आप एक निश्चित भूमिका करते हैं या आप कुछ ऐसा करते हैं जो लोग आनंद लेते हैं, और फिर वैसे ही किरदार आने लगते हैं, क्योंकि आपका वह किरदार बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने लगता है।

उन्होंने कहा, इससे बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। सौभाग्य से मैं पूरी तरह से इससे निकलने में कामयाब रहा, क्योंकि लोगों ने मेरे गंभीर अभिनय के साथ-साथ मेरी कॉमेडी का भी आनंद लिया। आमतौर पर, जब कोई कॉमेडी करता है, तो उसकी गंभीर भूमिकाएं बहुत कमाल नहीं कर पातीं, क्योंकि आप उस व्यक्ति के इमेज को मन से बाहर नहीं निकाल पाते हैं।

अरशद ने किरदार को अलग-अलग तरीके से पेश करने को लेकर कहा, मैं चरित्र में इस कदर ढल जाता हूं कि मैं आपको भूलने में मदद करता हूं कि मैं कौन हूं। मैं आपको यह भूलने में मदद करता हूं कि मेरा पिछला किरदार क्या था, और वह मेरे लिए काम करता है।

बता दें कि अरशद वारसी ने पिछले साल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर 'असुर' के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया। उन्हें फिल्म 'दुर्गामती: द मिथ' में एक राजनेता की भूमिका में भी देखा गया। अरशद फिलहाल जैसलमेर में अक्षय कुमार, कृति सैनन और जैकलीन फर्नांडिस के साथ 'बच्चन पांडे' की शूटिंग कर रहे हैं।

दीपिका पादुकोण के बेहद करीब हैं ये दो लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर रूःसेशन किया। इस दौरान उन्होंने फैंस के सभी सवालों के जवाब दिए। इसके साथ ही दीपिका ने अपने बचपन की तस्वीरें शेयर की जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है।

सेशन के दौरान दीपिका पादुकोण से पूछा गया कि वह किससे सबसे ज्यादा किसके करीब हैं, तो उन्होंने पति रणवीर सिंह और छोटी बहन अनीशा की तस्वीर शेयर कर जवाब दिया। एक तस्वीर में अनीशा, दीपिका को हग करती नजर आ रही हैं तो दूसरी तस्वीर में वह रणवीर सिंह के गाल पर किस करती दिख रही हैं।

जब दीपिका से पूछा गया कि वह कैमरे के सामने पहली बार कब आई थीं, तो उन्होंने अपने बचपन की एक तस्वीर साझा की जिसमें वह चार साल की उम्र में बेबी साइकल पर बैठी हुई दिख रही हैं।

इसके बाद उनसे पूछा गया कि फिल्म पीकू में उनसे फेवरेट मोमेंट कौन सा था तो उन्होंने जवाब में इरफान खान के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। बता दें दीपिका इंस्टाग्राम पर 'पोस्ट अ पिक्चर' चैलेंज अभी भी शेयर कर रही हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण शकुन बत्रा की फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वह पहली बार सिद्धांत चतुर्वेदी संग काम करने जा रही हैं। इसके अलावा वे 83 में भी काम कर रही हैं। ये फिल्म क्रिकेटर कपिल देव की बायोपिक है।

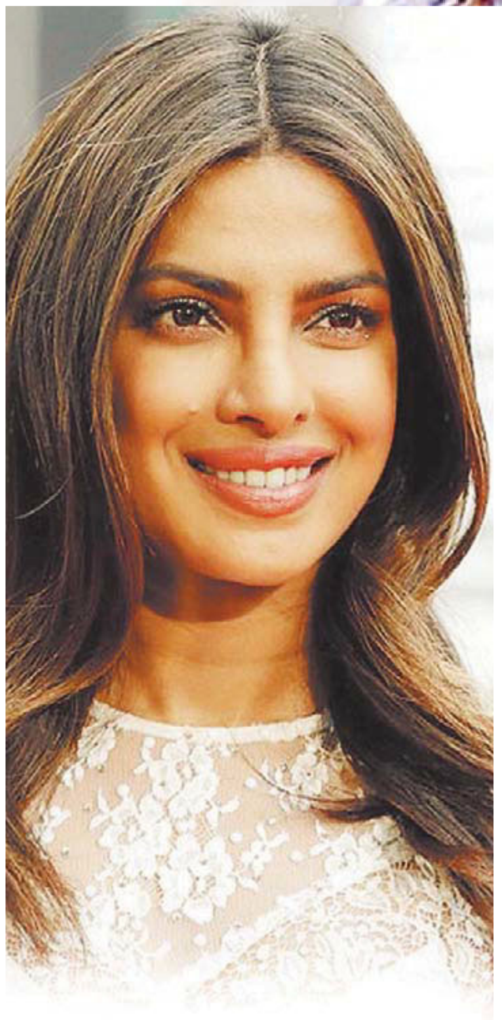

प्रियंका चोपड़ा ने पूरी की आगामी हॉलीवुड फिल्म टेक्स्ट फॉर यू की शूटिंग

अभिनेता प्रियंका चोपड़ा ने लंदन में अपनी आगामी हॉलीवुड फिल्म 'टेक्स्ट फॉर यू' की शूटिंग पूरी कर ली है। जिम स्ट्रॉस निर्देशित यह रोमांटिक फिल्म वर्ष 2016 में जर्मन में आई सुपरहिट फिल्म 'एसएमएस फर डिच' से प्रभावित है जो सोफी क्रामर की इसी नाम से आए उपन्यास पर आधारित थी। प्रियंका चोपड़ा (38) ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए शूटिंग के समाप्त होने की जानकारी दी। इस तस्वीर में वह फिल्म की पटकथा की प्रति लिए हुए दिख रही हैं। उन्होंने लिखा, ''समापन हो गया। पूरी टीम को बधाई और धन्यवाद। आपको फिल्म में देखेंगे।''

पिछले महीने प्रियंका चोपड़ा ने बताया था कि कोरोना वायरस संबंधी महामारी के बीच होने वाली शूटिंग में रोजाना उनकी और फिल्म निर्माण टीम की कोविड-19 जांच होती है और भौतिक दूरी का अनुपालन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि प्रियंका इस समय अपनी फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' के रिलीज होने की तैयारी कर रही हैं जिसका निर्देशन रमीन बहरानी ने किया है और यह फिल्म अरविंद अडिगा की इसी नाम से प्रकाशित उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म का 22 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होना है।

'तांडव' में अपने किरदार समर प्रताप सिंह को लेकर सैफ अली खान ने कही यह बात

अमेजन प्राइम वीडियो के आगामी राजनीतिक ड्रामा 'तांडव' ने लोगों में उत्साह से भर दिया है। अली अब्बास जफर द्वारा रचित और निर्देशित, इस सीरीज में दर्शकों को सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी शहर के सशक्त गलियारों में अराजकता से रूबरू करवाया जाएगा।

इस सीरीज में अहम किरदार निभा रहे सैफ अली खान स्क्रीन पर कुछ बहुत ही अपरंपरागत किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं और अब अमेजन प्राइम वीडियो पर सीरीज 'तांडव' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका किरदार समर प्रताप सिंह इस काल्पनिक राजनीतिक सिस्टम का उत्प्रेरक है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, सैफ ने साझा किया, तांडव में मेरा किरदार उस राजनेता के बारे में हैं जो अपनी प्रतिक्रिया के कारण शक्तिशाली और खतरनाक है। और मैं इस किरदार की तरफ़ आकर्षित हुआ क्योंकि आप नहीं जानते कि वह क्या सोच रहा है, वह एक रहस्यमय किरदार है, लेकिन पर्दे के पीछे जो हो रहा है वह काफी नाटकीय है और कुछ भी हो सकता है। इसलिए वह देखने के लिए काफ़ी मनोरंजक है और निश्चित रूप से वह विश्वास करने की तरह है।

उन्होंने कहा, वह किसी भी हद्द तक जा सकता है और मुझे उस तरह की प्रतिक्रिया दिलचस्प लगती है और मैं एक ऐसे दौर से गुज़रा हूं जहां शायद इनमें से कुछ भूमिकाएं एक साथ आई हैं और इनमें से जिन नकारात्मक भूमिकाओं ने मुझे अपनी तरफ़ आकर्षित किया है वह बहुत अच्छी तरह से लिखी गई हैं, कुछ सकारात्मक पात्रों की तुलना में बेहतर लिखी गई हैं, जिन्हें आपने सुना है।

मैं उन टर्म्स के बारे में नहीं सोचता। मैं दिलचस्प काम के बारे में सोचता हूं, आप घर पर रहते हैं, जीवन अच्छा है, आपके पास अपना परिवार है आपको जीवन के बारे में अपना दृष्टिकोण मिल गया है। रचनात्मक संतुष्टि पर काम करना बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन आप क्या किरदार निभा रहे हैं? इसलिए अगर यह दिलचस्प है और आपको आकर्षित करता है, तो आप घर आते हैं और इसके बारे में भूल जाते हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ते जाते हैं।

सैफ ने आगे साझा करते हुए बताया, तो मैं बस कुछ ऐसा चुनता हूं जिसके लिए मैं मेरे घर से बाहर निकल सकूं। अक्सर हम अपने परिवार से दूर रहते हैं, हम किसी होटल में रहते हैं, इसलिए यह घर से दूर रहने लायक होना चाहिए। तान्हाजी और तांडव के डार्क शेड्स हैं जिसने मुझे यह किरदार निभाने के लिए आकर्षित किया है क्योंकि मुझे लगता है स्क्रीन पर स्ट्रैट लड़के की तुलना में ऐसे किरदार में अधिक मज़ा आता है, इसलिए मैं यह कर रहा हूं। लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं आगे इसे करना जारी रखूंगा या नहीं।

9 एपिसोड का यह राजनीतिक ड्रामा गौरव सोलंकी द्वारा लिखित है और इसमें सैफ अली खान, डिंपल कपाड़िया, सुनील ग्रोवर, तिग्मांशु धूलिया, डीनो मोरिया, कुमुद मिश्रा, गौहर खान, अमायरा दस्तूर, मोहम्मद जीशान आय्यूब, कृतिका कामरा, सारा जेन डायस, संध्या मृदुल, अनूप सोनी, हितेन तेजवानी, परेश पाहुजा और शोनाली नागरानी सहित अन्य कई अन्य दमदार कलाकारों की टोली नज़र आएगी।

» अंतिम दिन तीसरा टेस्ट ड्रॉ कराया भारत ने, श्रृंखला 1-1 से बराबर

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सिडनी टेस्ट : हनुमा और अश्विन ने जमाये पांव, भारत ने मैच ड्रा कराया

सिडनी। (एजेंसी)

चेतेश्वर पुजारा और ऋषभ पंत की शतकीय साझेदारी टूटने से जीत की उम्मीदें धूमिल पड़ने के बाद हनुमा विहारी और रविचंद्रन अश्विन ने क्रीज पर पांव जमाये जिससे भारत सोमवार को यहां तीसरा टेस्ट क्रिकेट मैच ड्रा कराकर आस्ट्रेलिया पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने में सफल रहा। विहारी ने पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आने के बावजूद अश्विन के साथ अंतिम सत्र में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की हर रणनीति को नाकाम करके उसकी जीत की उम्मीदों पर पानी फेरा। हनुमा ने लगभग चार घंटे क्रीज पर बिताकर अपने नाबाद 23 रन के लिये 161 गेंदें खेली जबकि अश्विन ने 128 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाये। दोनों ने लगभग 42 ओवरों का सामना करके छठे विकेट के लिये 62 रन जोड़े। इससे पहले पुजारा ने 205 गेंदों पर 77 रन बनाये थे जबकि विहारी से पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे गये पंत ने आक्रामक अंदाज दिखाकर 118 गेंदों पर 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 97 रन बनाये। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिये 148 रन जोड़े। भारत ने 407 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिर में 131 ओवरों में पांच विकेट पर 334 रन बनाये। जब मैच में एक ओवर बचा हुआ था तब दोनों टीमें ड्रा पर सहमत हो गयी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 338 रन बनाये थे और दूसरी पारी छह विकेट पर 312 रन बनाकर समाप्त घोषित की। भारत ने पहली पारी में 244 रन बनाये थे। रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे इस मैच के ड्रा होने के बाद चार मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है। अब ब्रिसबेन में 15 जनवरी से शुरू होने वाला चौथा और अंतिम टेस्ट मैच निर्णायक बन गया है। पुजारा जब दूसरे सत्र के आखिर में आउट हुए तब दिन के लगभग 43 ओवर बचे हुए थे। भारत लक्ष्य से 137 रन दूर था लेकिन रविंद्र जडेजा चोटिल थे और ऐसे में हमलावर तेवर अपनाने वाले आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने पुछल्ले बल्लेबाजों को लाना बुद्धिमतापूर्ण नहीं होता। ऐसे में भारत ने ड्रा के लिये बल्लेबाजी की तथा विहारी और अश्विन ने टीम की रणनीति पर बखूबी अमल किया। आस्ट्रेलिया ने शार्ट पिच गेंदें की, लगातार अपील करके दबाव बनाया, गेंदबाजी में लगातार बदलाव किये लेकिन विहारी और अश्विन की एकाग्रता भंग नहीं हुई। केवल एक बार विहारी ने मौका दिया था लेकिन तब टिम पेन कैच लेने में नाकाम रहे। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने इससे पहले पंत को भी दो जीवनदान दिये थे। भारत ने हालांकि कप्तान अंजिक्य रहाणे (चार) का विकेट सुबह दिन के दूसरे ओवर में गंवाने के बावजूद जीत की रणनीति अपनायी थी। यही वजह थी कि पुजारा को क्रीज पर पांव जमाने और पंत को अपने शॉट खेलने की छूट दी गयी थी। पंत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आफ स्पिनर नाथन लियोन के बीच जंग दर्शनीय थी।

इसे भी पढ़ें- नस्लीय टिप्पणी पर भारत ने जाहिर की कड़ी प्रतिक्रिया, ढ्ढष्टष्ट ने मांगी रिपोर्ट

पंत ने शुरुआती लगभग 35 गेंद तक सतर्क रवैया अपनाया लेकिन फिर लियोन के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते हुए लांग आन पर छक्का और तीन चौके मारे। टिम पेन ने इसके बाद लियोन का छोर बदला लेकिन पंत ने लांग आफ और लांग आन के ऊपर से उन पर दो और छक्के जड़ दिये। पुजारा ने भी इस आफ स्पिनर पर दो चौके मारे। पंत का भाग्य ने भी साथ दिया। लियोन की गेंद पर तीन और 56 रन के निजी स्कोर पर पेन ने उनके कैच छोड़े थे। लियोन हालांकि दूसरी नई गेंद से पंत को पवेलियन भेजने में सफल रहे। पंत ने शतक पूरा करने की कोशिश में बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया लेकिन स्पिन होती गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े पैट कमिंस के हाथों में चली गई। पंत के आउट होने के बाद पुजारा ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन जोश हेजलवुड ने उन्हें बोल्ड करके उनकी धैर्यपूर्ण पारी का अंत किया। पुजारा ने अपनी पारी में 12 चौके लगाए। पुजारा के आउट होने के बाद विहारी की पैर की मांसपेशियों में भी खिंचाव आ गया, लेकिन इससे उनकी प्रतिबद्धता पर प्रभाव नहीं पड़ा। इस वजह से विहारी और अश्विन ने दौड़कर रन नहीं बनाये।इस बीच अधिकतर रन बाउंड्री से बने।

टीम इंडिया का प्रदर्शन देख खुश हुए सौरव गांगुली पुजारा, पंत की तारीफ की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सोमवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट बचाने में चेतेश्वर पुजारा , ऋषभ पंत और रविचंद्रन अश्विन के प्रयासों की सराहना करते हुए टीम इंडिया से श्रृंखला जीतने का अनुरोध किया। पुजारा, अश्विन और पंत ने आखिरी दिन आस्ट्रेलिया के आक्रामक गेंदबाजी आक्रमण का डटकर सामना करते हुए मैच को ड्रॉ कराया।

गांगुली ने ट्वीट किया ,'' उम्मीद है कि अब सभी पुजारा, पंत और अश्विन की क्रिकेट टीमों में अहमियत समझेंगे। टेस्ट क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का मतलब हमेशा बड़े शॉट खेलना नहीं होता। लगभग 400 टेस्ट विकेट ऐसे ही नहीं आते।'' उन्होंने कहा ,'' टीम इंडिया ने अच्छा जुझारूपन दिखाया। अब श्रृंखला जीतने का समय है।'' जीत के लिये 407 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंत (97) और पुजारा (77) ने जीत की उम्मीद जगा दी थी। इन दोनों के आउट होने के बाद अश्विन (128 गेंद में नाबाद 39) और हनुमा विहारी (161 गेंद में नाबाद 23) ने आखिरी सत्र संभलकर खेला और मैच ड्रॉ कराया। चौथा टेस्ट शुक्रवार से ब्रिसबेन में शुरू होगा।

टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन बनाने वाले 11वें भारतीय बने यह खिलाड़ी

सिडनी। स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा सोमवार को टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन पूरे करने वाले 11वें भारतीय बने। अपना 80वां मैच खेल रहे पुजारा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट मैदान पर तीसरे टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन यह उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी। आईसीसी ने लिखा, ''चेतेश्वर पुजारा टेस्ट क्रिकेट में 6000 रन पूरे करने वाले 11वें भारतीय बल्लेबाज बने। कितने शानदार बल्लेबाज हैं वह।'' पुजारा से पहले भारतीय बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर (15921), राहुल द्रविड़ (13265), सुनील गावस्कर (10122), वीवीएस लक्ष्मण (8781), वीरेंद्र सहवाग (8503), विराट कोहली (7318), सौरव गांगुली (7212), दिलीप वेंगसरकर (6868), मोहम्मद अजहरूद्दीन (6215) और गुंडप्पा विश्वनाथ टेस्ट क्रिकेट में 6000 से अधिक रन बना चुके हैं।

मैच ड्रॉ होने के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने जताई खुशी, ऐसे बनाई थी योजना

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच को ड्रा करने के बाद भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सोमवार को यहां कहा कि पांचवें दिन के खेल के पहले टीम की योजना नतीजे के बारे में सोचे बिना आखिर तक संघर्ष करने की थी। ऋषभ पंत (97) और चेतेश्वर पुजारा (77) के पवेलियन लौटने के बाद हनुमा विहारी और रविचंद्रन अश्विन ने शाम पूरे सत्र में बल्लेबाजी कर घरेलू टीम को जीत से दूर रखा। रहाणे ने मैच के बाद कहा, '' दिन का खेल शुरू होने से पहले हमने अपना जज्बा दिखाने और अंत तक संघर्ष करने के बारे में बात की थी। हम परिणाम के बारे में नहीं सोच रहे थे। जिस तरह से आज हमने संघर्ष किया खासकर पूरे मैच में उससे वास्तव में खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''पहली पारी में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम दो विकेट पर 200 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन हमने उन्हें 338 रन पर आउट करके वापसी की।'' रहाणे ने कहा कि पंत को हनुमा विहारी से पहले पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए इसलिए भेजा गया ताकि क्रीज पर बायें और दायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनाया जा सके।

अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने पर आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन पर जुर्माना

दुबई। (एजेंसी)।

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन पर भारत के खिलाफ सिडनी में तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन के खेल के दौरान अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिये उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना किया गया है। पेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़े अनुच्छेद 2.8 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

आईसीसी रविवार को जारी बयान में कहा, ''इसके अलावा पेन के अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक 'डिमैरिट' अंक जोड़ दिया गया है। पेन की पिछले 24 महीनों में यह पहली गलती है। '' यह घटना भारत की पहली पारी के 56वें ओवर में घटी जब पेन ने चेतेश्वर पुजारा के खिलाफ डीआरएस की असफलता के बाद अंपायर के फैसले की आलोचना की थी। पेन ने जुर्माना स्वीकार कर लिया है और इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी।

चौथे टेस्ट से बाहर हुए चोटिल विहारी,जडेजा की जगह ले सकते हैं यह खिलाड़ी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भारत की फिटनेस समस्यायें बढती ही जा रही है और सिडनी में ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट के नायक हनुमा विहारी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण ब्रिसबेन में चौथा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। समझा जाता है कि मैच के बाद विहारी को स्कैन के लिये ले जाया गया। इसकी रिपोर्ट मंगलवार की शाम तक आने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने हालांकि बताया कि विहारी अगले मैच तक फिट नहीं हो सकेंगे जो 15 जनवरी से शुरू हो रहा है। आंध्र के इस खिलाड़ी ने 161 गेंद में 23 रन बनाकर आर अश्विन के साथ मिलकर मैच बचाया। एक सूत्र ने कहा ,'' स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद ही विहारी की चोट के बारे में पता चल सकेगा लेकिन ग्रेड वन चोट होने पर भी उसे चार सप्ताह बाहर रहना होगा और उसके बाद रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा। सिर्फ ब्रिसबेन टेस्ट ही नहीं बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से भी वह बाहर रह सकते हैं।'' वैसे घरेलू श्रृंखला में भारतीय टीम एक अतिरिक्त गेंदबाज को लेकर उतरना पसंद करती है लिहाजा विहारी के अंतिम एकादश में चुने जाने की संभावना कम ही थी। उनकी जरूरत इंग्लैंड दौरे पर पड़ेगी जहां अंतिम ग्यारह में एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत होगी। विहारी के विकल्प के तौर पर रिधिमान साहा को विकेटकीपर के तौर पर और ऋषभ पंत को बल्लेबाज के तौर पर उतारा जा सकता है या मध्यक्रम में मयंक अग्रवाल को जगह दी जा सकती है। पंत ने भी 97 रन की पारी खेली थी। समझा जाता है कि बल्लेबाजी जारी रखने के लिये विहारी और पंत दोनों को दर्दनिवारक दवायें दी गई थी। वहीं ब्रिसबेन में रविंद्र जडेजा की जगह शारदुल ठाकुर ले सकते हैं। जडेजा भी चोटिल हैं।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया : ब्रिसबेन में ही होगा चौथा टेस्ट, स्टेडियम में केवल 50 प्रतिशत दर्शकों को आने की अनुमित

सिडनी। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को ब्रिसबेन के लिए रवाना होगी क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह के क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) को दिए आश्वासन के बाद क्वीन्सलैंड की राजधानी में 15 जनवरी से चौथे और अंतिम टेस्ट की मेजबानी को लेकर अनिश्चितता खत्म हो गई है। ब्रिसबेन में हालांकि क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को ही आने की इजाजत होगी। बीसीसीआई ने सीए को ब्रिसबेन में कड़े पृथकवास नियमों से राहत देने के संदर्भ में लिखा था क्योंकि इसके कारण भारतीय टीम को होटल में ही रहना पड़ता जिसे लेकर खिलाड़ियों को आपत्ति थी। सीए के अंतरिम सीईओ निक हॉकले ने बयान में कहा, ''मैं सहयोग और योजना के अनुसार चौथे टेस्ट के आयोजन के लिए सीए तथा बीसीसीआई के साथ काम करने की इच्छा के लिए क्वीन्सलैंड सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अधिक महत्वपूर्ण उस योजना पर चलना है जिसमें खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और समुदाय की सुरक्षा और बेहतरी शीर्ष प्राथमिकता है।''

पिछले एक हफ्ते में बीसीसीआई के सूत्रों ने पीटीआई को पुष्टि की थी कि उन्होंने कभी आयोजन स्थल में बदलाव की मांग नहीं की लेकिन यह जरूर कहा था कि लगातार दो कड़े पृथकवास खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए आदर्श नहीं हैं। खिलाड़ियों के लिए अब इंडियन प्रीमियर लीग की तरह के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल की उम्मीद है जहां वे होटल के अंदर एक दूसरे से मिल सकते हैं। यह समस्या उस समय खड़ी हुई जब क्वीन्सलैंड ने सिडनी में कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों को देखते हुए न्यू साउथ वेल्स से आने वाले लोगों के लिए अपनी सीमा बंद कर दी। भारतीय खिलाड़ियों को इससे छूट दी गई थी लेकिन उन्हें कड़े पृथकवास नियमों का सामना करना था। मैच को लेकर अनिश्चितता उस समय बढ़ गई जब शहर में ब्रिटेन से आए नए कोविड-19 संक्रमण का मामला मिला और पिछले हफ्ते तीन दिवसीय लॉकडाउन की घोषणा की गई। मैच को लेकर स्थिति स्पष्ट होने के बाद सीए ने दर्शकों की क्षमता की घोषणा की।

सीए ने विज्ञप्ति में कहा, ''क्वीन्सलैंड स्वास्थ्य और क्वीन्सलैंड सरकार की सलाह पर चलते हुए क्रिकेट आस्ट्रेलिया और स्टेडियम्स क्वीन्सलैंड 15 जनवरी से ब्रिसबेन टेस्ट के लिए पहुंचने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं और इस दौरान गाबा में दर्शकों की कुल क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को ही आने की स्वीकृति होगी।'' उन्होंने कहा, ''सामाजिक दूरी के नियमों के अनुसार बैठने की योजना से दर्शकों की संख्या में कटौती होगी, अब मैच के टिकटों को दोबारा बेचा जाएगा और मौजूदा टिकट धारकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा जिसमें टिकट बीमा सहित सभी खर्चे शामिल हैं।'' क्वीन्सलैंड के खेल मंत्री स्टर्लिंग हिंचलिफ ने कहा कि इस बड़े मैच के आयोजन को लेकर पूरा प्रांत उत्साहित है। हिंचलिफ ने कहा, ''गाबा की तेज और उछाल वाली पिच आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मजबूत किले के रूप में इसे प्रशंसकों की पसंदीदा बनाती है।' गाबा के महाप्रबंधक मार्क जुंडांस ने ब्रिसबेन में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम यहां भारत और आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों का टेस्ट मैच के लिये स्वागत करने को लेकर उत्साहित हैं। स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति देने का फैसला किया गया है। ''उन्होंने कहा, ''लोगों को मास्क पहनने होंगे। जो बिना मास्क के होगा उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

नस्लीय टिप्पणी पर भारत ने जाहिर की कड़ी प्रतिक्रिया, आईसीसी ने मांगी रिपोर्ट

सिडनी/नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों विशेषकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में लगातार दूसरे दिन नस्ली टिप्पणियों का सामना करना पड़ा जिसके कारण चौथे दिन का खेल कुछ समय के लिये रुका रहा, कुछ दर्शकों को बाहर किया गया और क्रिकेट जगत ने इसकी कड़ी भर्त्सना की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार सिराज के लिये 'ब्राउन डॉग' और 'बिग मंकी' कहा गया। सिराज के पिता का हाल में निधन हुआ था और वह अब भी गमजदा हैं। पहली बार ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर गया यह 26 वर्षीय खिलाड़ी नियमों का पालन करते हुए तुरंत ही कप्तान अजिंक्य रहाणे और मैदानी अंपायरों के पास गया और उन्हें घटना से अवगत कराया। इससे खेल 10 मिनट तक रुका रहा। सुरक्षाकर्मियों को बुलाया गया जिन्होंने छह दर्शकों को स्टेडियम से बाहर कर दिया। इससे पहले शनिवार को नशे में धुत एक व्यक्ति ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और सिराज के लिये अपशब्दों का उपयोग किया था।

बीसीसीआई पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी डेविड बून के पास इसकी शिकायत कर चुका है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के इंटिग्रिटी एवं सुरक्षा प्रमुख सीन केरोल ने कहा,''श्रृंखला का मेजबान होने के नाते हम भारतीय क्रिकेट टीम में अपने मित्रों से माफी मांगते हैं और उन्हें आश्वासन देते हैं कि हम इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप नस्ली अपशब्द का इस्तेमाल करते हो तो आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में आपका स्वागत नहीं है। सीए को शनिवार को सिडनी क्रिकेट मैदान पर की गई शिकायत के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)की जांच के नतीजे का इंतजार है।'' केरोल कहा, ''जिम्मेदार लोगों की पहचान होने के बाद सीए अपनी उत्पीड़न रोधी संहिता के तहत कड़े कदम उठाएगा जिसमें लंबे प्रतिबंध और न्यू साउथ वेल्स पुलिस के पास मामला भेजना भी शामिल है।'' भारतीय बोर्ड की तरफ से बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले आधिकारिक टिप्पणी की और कहा, ''हमारे इस खेल और हमारे समाज में नस्लवाद के लिये कोई स्थान नहीं है। '' उन्होंने ट्वीट किया, ''मैंने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अधिकारियों से बात की और उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बीसीसीआई और क्रिकेट आस्ट्रेलिया दोनों एक साथ हैं। भेदभाव की ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। '' शाह ने अपने ट्वीट में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को भी टैग किया जो एंजियोप्लास्टी करवाने के बाद उससे उबर रहे हैं। दुबई में आईसीसी ने भी बयान जारी करके इन घटनाओं की कड़ी निंदा की और सीए से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी। सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने पहले भी सिडनी में नस्लवाद का सामना किया है। अश्विन ने कहा, ''यह ऑस्ट्रेलिया का मेरा चौथा दौरा है। खासकर सिडनी में हमें अतीत में भी इसका सामना करना पड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''एक या दो बार खिलाड़ियों ने इस पर प्रतिक्रिया दी और वे मुश्किल में फंस गये क्योंकि वे खिलाड़ी हैं। लेकिन दर्शक जिस तरह की टिप्पणी कर रहे थे वह कहीं से सही नहीं था। मैंने खुद भी इसका सामना किया है। वे अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। मुझे नहीं पता वे ऐसा क्यों करते हैं। ''

10 महीने बाद टेनिस कोर्ट में उतरेंगी पीवी सिंधू और साइना नेहवाल, ओलंपिक क्वालीफिकेशन की उम्मीद

बैकॉक। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण लगभग 10 महीनों तक अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर प्रभावित होने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और साइना नेहवाल मंगलवार से शुरु होने वाले योनेक्स थाईलैंड ओपर सुपर 1000 टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगी। टूर्नामेंट में चीन और जापान के खिलाड़ी भाग नहीं ले रहे है जिससे इसकी चमक थोड़ी फीकी पड़ी है। ओलंपिक चैम्पियन सिंधू पिछले दो महीने से लंदन में अभ्यास कर रहीं थी तो वहीं साइना कोविड-19 से उबरने के बाद जल्द ही लय हासिल करना चाहेंगी। वह जैव-सुरक्षित माहौल में आयोजन से होने वाले टूर्नामेंट में अपनी फिटनेस को भी परखेंगी। पिछले साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ ने सत्र को निलंबित कर दिया था। जिसके बाद अक्टूबर में हुए डेनमार्क ओपन सुपर 750 और सारलोरक्स सुपर 100 में सिंधू और साइना ने भाग नहीं लिया था। योनेक्स थाईलैंड ओपन (12 से 17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19 से 24 जनवरी) के अलावा एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन संघ) विश्व टूर फाइनल्स (27 से 31 जनवरी) का हिस्सा नहीं होंगे। इन तीनों टूर्नामेंटों के साथ कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित 2020 का सत्र खत्म होगा। चीन और जापान के खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में सिधू और साइना की राह थोड़ी आसान जरूर होगी।

थाईलैंड में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद चीन ने इससे हटने का फैसला किया तो वही विश्व नंबर एक खिलाड़ी केंतो मोमोता के कोरोना जांच में पॉजिटिव आने के बाद जापान आखिरी समय में टूर्नामेंट से हट गया। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सिंधू अपने अभियान का आगाज डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्डट के खिलाफ करेंगे तो वही विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज साइना को पहले दौर में नोजोमी ओकुहारा का सामना करना था लेकिन अब वह मलेशिया की किसोना सेल्वदुरे से भिड़ेगी। विश्व चैंपियन सिंधू का ब्लिचफेल्डट के खिलाफ 3-0 का रिकार्ड है।

पुरुष एकल में सात भारतीय खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे जिसमें पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले साई प्रणीत और एच एस प्रणय शामिल है। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज श्रीकांत भारतीय खिलाड़ी सौरभ वर्मा के खिलाफ अपना अभियान शुरु करेगे जबकि 13वें स्थान पर काबिज प्रणीत पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ीकांताफॉन वांगचारोएन का सामना करेंगे। एचएस प्रणय मलेशिया के आठवें वरीयता प्राप्त ली जी जिया से भिड़ेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन पारुपल्ली कश्यप कनाडा के जेसन एंथनी के खिलाफ अपना अभियान

शुरू करेंगे। समीर वर्मा इंडोनेशिया के शेसार हिरेन के खिलाफ पहले दौर में खेलेंगे। तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करने वाली सात्विकसाइराज रंकिरेड्डी एवं चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी कोरिया की किम जि जंग एवं ली योंग डेई के खिलाफ कोर्ट में उतरेंगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी कोरिया की चौथी वरीयता प्राप्त किम सो योंग एवं कोंग ही योंग की जोड़ी के खिलाफ पहले दौर में खेलेगी।